हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 322, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 16 मई, 2023 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

2047 तक एक विकसित राष्ट्र होगा भारत : रक्षामंत्री

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डिफेंस सेक्टर में हो रहे बदलाव पर बोला

पुणे। रक्षा क्षेत्र में साइबर स्पेस के बढ़ते खतरों के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र होगा। एक सभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने ये बात कही। राजनाथ सिंह ने महाराष्ट्र के पुणे जिले में डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (डीआईएटी) के दीक्षांत समारोह में कहा कि देश अब आत्मनिर्भर बन रहा है और आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार, भारत 2027 तक विश्व अर्थव्यवस्था में तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा।

तकनीकी क्षेत्र में प्रगति करनी होगी- राजनाथ सिंह ने कहा, "दुनिया तेजी से बदल रही है। रक्षा क्षेत्र में भी बदलाव हो रहा है, क्योंकि हम इस क्षेत्र में कई तकनीकी बदलाव देख सकते हैं। रक्षा क्षेत्र में कई समस्याएं पैदा हुई हैं, विशेष रूप से साइबर स्पेस में खतरे बढ़ गए हैं।" उन्होंने कहा, "हालांकि, बदलते हालात के साथ हमें तकनीकी क्षेत्र में प्रगति की ओर बढ़ना होगा। यदि कोई चुनौती है, तो उसका समाधान भी है। अब टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।"

2047 तक विस्तृत राष्ट्र बनेगा भारत- आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, "इसका मतलब यह नहीं है कि हमें अन्य देशों से अलग होना चाहिए, लेकिन उद्देश्य यह है कि बुनियादी आवश्यकताओं का निर्माण हमारे द्वारा किया जाना चाहिए और हमें उन्हें निर्यात करने में सक्षम होना चाहिए। देश में उत्पादों के विनिर्माण से रोजगार सृजन में भी मदद मिलेगी।" उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने एक सपना देखा है कि भारत 2047 तक दुनिया में एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा।"

भारत अब स्टार्ट-अप का सबसे बड़ा केंद्र- राजनाथ सिंह ने कहा, "हम रक्षा उपकरणों के निर्यात में वृद्धि देख रहे हैं। 2014 में इस क्षेत्र में 900 करोड़ रुपये का निर्यात था, लेकिन अब यह बढ़कर 16,000 करोड़ रुपये हो गया है। आयात कम हो गया है, क्योंकि भारत अब स्टार्ट-अप का सबसे बड़ा केंद्र है और हम नए आइडिया लेकर आ रहे हैं।"

2027 तक भारत विश्व अर्थव्यवस्था में तीसरे स्थान पर पहुंचेगा- केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि राइफल, मिसाइल और विमान भारत में बनाए जा रहे हैं। भारत अब आत्मनिर्भर देश बन रहा है। मंत्री ने कहा कि भारत के दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्था बनने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि 2027 तक भारत विश्व अर्थव्यवस्था में तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। हमारे सपने को साकार करने के लिए, हमें इस दिशा में काम करना चाहिए। सभा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि उन्हें डीआईएटी के 12वें दीक्षांत समारोह में शामिल होने पर गर्व है। उन्होंने कहा, "अपनी स्थापना के बाद से, संस्थान ने एक उल्लेखनीय काम किया है और आज मैं अपने देश का भविष्य देख सकता हूं।"

मणिपुर की अखंडता की रक्षा की जाएगी, उग्रवादियों के खिलाफ होगी कार्रवाई : सीएम एन बीरेन

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि ऑपरेशन के निलंबन (एसओओ) के बाद अवैध हथियार रखने के लिए राज्य के उग्रवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने जनहानि और संपत्तियों के नुकसान के लिए मणिपुर के लोगों के प्रति केंद्रीय गृह मंत्री की ओर से हार्दिक संवेदना व्यक्त की। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार को पूर्वोत्तर राज्य के कुकी बहुल जिलों के लिए एक अलग प्रशासन के लिए अपनी ही पार्टी के सात सहित 10 विधायकों की मांगों को खारिज करते हुए कहा, मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा की जाएगी। यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए सिंह ने कहा, कल हमने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और राज्य के विवरण के बारे में जानकारी दी। उन्होंने इस घटना पर दुख व्यक्त किया। इसके अलावा सिंह ने कहा कि अमित शाह ने राज्य सरकार में शांति बहाल के लिए कहा। कुकी नेशनल आर्मी और जोमी रिवोल्यूशनरी आर्मी के साथ उग्रवादी समूहों के साथ ऑपरेशन के निलंबन (एसओओ) के संबंध में, अमित शाह ने राज्य के लोगों को आश्वासन दिया कि समझौते के नियमों के अनुसार, सेना, संयुक्त निगरानी समिति और राज्य पुलिस ने संयुक्त रूप से कई शिविरों का निरीक्षण किया है, जहां हथियार मिले हैं।

पीएम मोदी 71 हजार युवाओं को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए करेंगे संबोधित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को 71, 000 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे और साथ ही, सभी को वर्चुअल रूप से संबोधित भी करेंगे। इन सभी युवाओं को विभिन्न सरकारी विभागों में नियुक्त किया जाएगा।

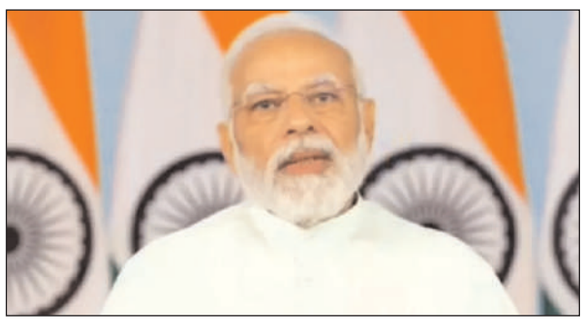

45 स्थानों पर आयोजित होगा रोजगार मेला- एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि 'रोजगार मेला' देश भर में 45 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। पीएम मोदी 16 मई को सुबह लगभग 10.30 बजे 71 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। इन सभी युवाओं की भर्ती केंद्र सरकार के विभागों के साथ-साथ राज्य सरकार और केंद्र शासित प्रदेशों के विभागों में भी की जाएगी।

सरकार के विभिन्न विभागों में होगी नियुक्ति- देशभर से चयनित नई भर्तियां ग्रामीण डाक सेवक, डाक निरीक्षक, वाणिज्यिक-सह-टिकट क्लर्क, जूनियर लिपिक-सह-टाइपिस्ट, जूनियर लेखा लिपिक, ट्रैक मेंटेनर, सहायक अनुभाग अधिकारी, लोअर डिवीजन क्लर्क, उप-विभागीय अधिकारी और कर सहायक जैसे विभिन्न पदों पर की जाएंगी। इसके अलावा, नवनियुक्त युवा सहायक प्रवर्तन अधिकारी, निरीक्षक, नर्सिंग अधिकारी, सहायक सुरक्षा अधिकारी,फायरमैन, सहायक लेखा अधिकारी, संभागीय लेखाकार, लेखा परीक्षक, कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल, सहायक कमांडेंट, प्रधानाचार्य, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, सहायक रजिस्ट्रार, सहायक प्रोफेसर आदि पदों पर भी नियुक्तियां होंगी

प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम- 'रोजगार मेला' रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। पीएमओ की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि रोजगार मेला रोजगार सृजन में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और युवाओं को उनके सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा। इसमें कहा गया है कि नई नियुक्तियों को 'कर्मयोगी आरंभ' के माध्यम से खुद को प्रशिक्षित करने का अवसर भी मिलेगा। दरअसल, यह विभिन्न सरकारी विभागों में सभी नई नियुक्तियों के लिए एक ऑनलाइन ओरिएंटेशन कोर्स है।

आंध्र प्रदेश में भीषण सड़क हादसा छह लोगों की मौत; कई घायल

कडप्पा (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में सोमवार तड़के मंदिर के दर्शन से लौटते समय एक सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक के के एन अंबुराजन के मुताबिक, 12 सदस्यीय दल को ले जा रहे वाहन को जिले के पेंचियानंतपुरम गांव में लौह अयस्क से लदे एक लॉरी ने टक्कर मार दी। वे तिरुमाला से यात्रा कर रहे थे और तड़के साढ़े पांच बजे कर्नाटक के बेल्लारी से लौह अयस्क ले जा रहे एक लॉरी से टकरा गए।" अंबुराजन ने कहा कि ये लोग तिरुपति में प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के दर्शन करने के बाद तड़ीपत्री की ओर जा रहे थे।

'मेरे पक्ष में हैं अधिकतर विधायक', सिद्धारमैया के बयान ने कांग्रेस आलाकमान की बढ़ाई मुसीबत

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत के बाद कांग्रेस पार्टी अब सीएम के नाम का भी जल्द ऐलान कर सकती है। कई दिनों की माथापच्ची के बाद कांग्रेस नेतृत्व अब किसी फैसले पर पहुंचता दिख रहा है। पार्टी ने इसके लिए पर्यवेक्षकों को भी राज्य में भेजा और नवनिर्वाचित विधायकों की राय ली। फिलहाल प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया सीएम पद की रेस में हैं, लेकिन सिद्धारमैया का एक बयान काफी चर्चा में आ गया है। पर्यवेक्षक आज अपनी रिपोर्ट कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को सौंपने वाले हैं। आज सिद्धारमैया और कई बड़े नेता खरगे से मिलने दिल्ली पहुंचने वाले हैं। इस बीच दिल्ली रवाना होने से पहले सिद्धारमैया ने बड़ा बयान दिया, जिसने पार्टी आलाकमान की मुश्किलें बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि विधायकों ने पर्यवेक्षकों के सामने मेरा ही नाम लिया है और अधिकतर मेरे ही पक्ष में हैं। अब

देखना यह होगा कि खरगे शिवकुमार को चुनते हैं या सिद्धारमैया को। सिद्धारमैया ने इसी के साथ कहा कि मेरे रिश्ते डीके शिवकुमार के साथ हमेशा अच्छे रहे हैं और आगे भी जारी रहेंगे।उन्होंने कहा कि हम पहले भी मिलकर चले हैं, अब भी चलेंगे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे आगे चल रहे सिद्धारमैया सोमवार को दिल्ली के लिए रवाना हो गए, जिसके एक दिन पहले पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पार्टी के मुख्यमंत्री के चयन के लिए अधिकृत किया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, सिद्धारमैया एआईसीसी नेताओं से मिलने के लिए एक विशेष विमान से राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना हुए। इसके कुछ घंटे पहले कांग्रेस पर्यवेक्षक सुशील कुमार शिंदे ने कहा था कि यदि आवश्यक होगा तो मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार को परामर्श के लिए दिल्ली बुलाया जाएगा।

सिद्धारमैया दिल्ली रवाना, पर डीके शिवकुमार नहीं, कर्नाटक कांग्रेस के पर्यवेक्षक ने बताई वजह

नई दिल्ली। कर्नाटक में कांग्रेस ने सरकार गठन की कवायद शुरू कर दी है। बेंगलुरु में रविवार शाम कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें फैसला लिया गया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे मुख्यमंत्री का नाम तय करेंगे। इस बीच, लगातार डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया के दिल्ली जाने की खबर आ रही है। अब कांग्रेस नेता और विधायक दल की बैठक के केंद्रीय पर्यवेक्षक सुशील कुमार शिंदे ने साफ कर दिया है कि अगर जरूरत पड़ी तो दोनों को दिल्ली बुलाया जाएगा।

फीडबैक के आधार पर बनाई रिपोर्ट- शिंदे ने कहा कि कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ पर्यवेक्षक दिल्ली जाएंगे। इस दौरान ने उन्होंने रिपोर्ट के बारे में कुछ नहीं बताया। उन्होंने कहा हमारी रिपोर्ट गुप्त है। इसके बारे में केवल पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ही खुलासा कर सकते हैं। बता दें, यह रिपोर्ट कांग्रेस विधायक दल की बैठक में प्राप्त फीडबैक के आधार पर बनाई गई है।

खरगे के हाथों में कमान- कांग्रेस नेता ने कहा कि खरगे ने सीएलपी नेता के चुनाव के लिए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शिंदे, एआईसीसी महासचिव जितेंद्र सिंह और एआईसीसी के पूर्व महासचिव दीपक बाबरिया को पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। मुख्यमंत्री पद के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच कड़ी टक्कर है। इन दोनों में से किसे सीएम का पद मिलना चाहिए यह खरगे तय करेंगे।

परामर्श के लिए बुलाया जाएगा- उन्होंने कहा कि कर्नाटक कांग्रेस विधायक दल ने रविवार को अपनी बैठक में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को राज्य का नया मुख्यमंत्री चुनने के लिए अधिकृत किया है। अगर जरूरत पड़ी तो परामर्श के लिए शिवकुमार और सिद्धारमैया को दिल्ली बुलाया जाएगा। बता दें, 224 सदस्यीय विधानसभा के लिए 10 मई को हुए चुनाव में कांग्रेस ने 135 सीटें जीतीं।

पाकिस्तान में अब आर-पार की लड़ाई ! इमरान खान की जमानत के खिलाफ पीडीएम का विरोध प्रदर्शन, समर्थकों ने एससी को घेरा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में राजनीतिक हालात बिगड़ते जा रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष इमरान खान को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद पीडीएम ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। पीडीएम समर्थकों ने सुप्रीम कोर्ट को भी घेर लिया है। विरोधी पार्टियों का संगठन पीडीएम में पाकिस्तान ड्रेमोक्रेटिक मूवमेंट पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल समेत कई पार्टियां शामिल हैं।

बुशरा बीबी को मिली जमानत- इमरान खान की बीवी बुशरा बीबी को जमानत मिल गई है। लाहौर हाईकोर्ट ने 23 मई तक उन्हें जमानत दे दी है। बुशरा बीबी के साथ इमरान खान भी हाईकोर्ट पहुंचे थे।

पीटीआई समर्थक भी कर रहे विरोध प्रदर्शन- पीटीआई समर्थकों ने भी विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे हैं। पीटीआई ने इस दौरान गिरफ्तार अपने नेताओं की भी लिस्ट जारी की।

सात हजार पीटीआई कार्यकताओं को किया गया गिरफ्तार- इमरान खान ने कहा कि उनकी पार्टी पीटीआई के करीब सात हजार कार्यकताओं और नेताओं को जेल में डाल दिया गया है, जिसमें महिलाएं भी शामिल हैं। इमरान खान की पार्टी ने आगे कहा कि सुरक्षा एजेंसियां सुप्रीम कोर्ट पर कब्जा करने और संविधान को खत्म करने के लिए गुंडों की मदद कर रही हैं। अगर सुप्रीम कोर्ट और संविधान नष्ट हुआ तो पाकिस्तान के सपनों का अंत हो जाएगा।

'मेरी पार्टी को खत्म करना चाहती है सेना'- इमरान खान ने अपनी रिहाई के बाद देश को संबोधित करते हुए आरोप लगाया था कि सेना उनकी पार्टी को कुचलना चाहती है, खत्म करना चाहती है। उन्होंने सेना को राजनीति में आने के लिए अपनी खुद की पार्टी बनाने की भी सलाह दी थी।

छत्रपति संभाजी महाराज के नाम से जाना जाएगा मुंबई समुद्री राजमार्ग, मुख्यमंत्री शिंदे की घोषणा

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को मुंबई की जीवन रेखा माने जाने वाले तटीय राजमार्ग का नाम छत्रपति संभाजी महाराज के नाम पर रखे जाने की घोषणा की। गेटवे ऑफ इंडिया पर छत्रपति संभाजी महाराज जयंती महोत्सव के आयोजन पर मुख्यमंत्री ने यह जानकारी दी। कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. तानाजी सावंत, विधायक प्रकाश सुर्वे, विधायक यामिनी जाधव, राजमाता जीजाऊ के वंशज विजयराव जाधव और संयोजक मौजूद थे। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, छत्रपति संभाजी महाराज का कार्य और बलिदान नई पीढ़ी का मार्गदर्शन कर रहा है और उन्हें प्रेरणा दे रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में दुर्गों के संरक्षण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। छत्रपति संभाजी महाराज के समाधि स्थल वढू बुद्रुक और तुलापुर दोनों की विकास योजना को क्रियान्वित किया जा रहा है। यह ऐतिहासिक धरोहर आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनेगी। मुंबई के तटीय राजमार्ग क्षेत्र में छत्रपति संभाजी महाराज की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। शिंदे ने कहा, मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया पर पहली बार छत्रपति संभाजी महाराज की जयंती मनाना खुशी की बात है।

पं. धीरेंद्र शास्त्री मंच से निकाल रहे पर्चा श्रद्धालुओं से बोले- सबकी अर्जी लगेगी

पटना। बागेश्वर धाम वाले बाबा मंच पर पहंच चुके हैं। वह पर्ची निकालकर लोगों की अर्जी सुन रहे हैं। पंडित धीरेंद्र शास्त्री पंडाल में मौजूद भीड़ से लोगों को बुला रहे हैं और उनकी अर्जी सुन रहे हैं। इसके बाद बाबा ने भीड़ से पंकज नाम के श्रद्धालु को बुलाया। बाबा ने कहा कि उसकी अर्जी सुन रहे हैं। इसके बाद हनुमंत कथा वाचन करेंगे। इससे पहले बाबा होटल से नौबतपुर स्थित तरेत पाली मठ पहुंचे। यहां पहुंचते ही उन्होंने राघवेंद्र सरकार मठ स्थित राम जानकी मंदिर में पूजा अर्चना की। इसके बाद महंत सुदर्शनाचार्य से आशीर्वाद लिया। इसके बाद बाबा हनुमंत कथा स्थल पर बने मंच पर पहुंचे। बाबा को देखते ही पंडाल में श्रद्धालु जय श्री राम और जय बाबा बागेश्वर धाम के जयकारे लगाने लगे। बाबा ने हाथ जोड़कर उनका अभिनंदन किया और कहा कि आज सबकी अर्जी लगेगी। हालांकि, रविवार देर रात आयोजन समिति ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा था कि लगातार बढ़ रही भी और गर्मी को देखते हुए सोमवार को लगने वाला दिव्य दरबार कैंसिल कर दिया गया है। आयोजन समिति द्वारा कथा वाचन का समय भी परिवर्तित कर दिया गया था। लेकिन, दोपहर के मौसम को देखते हुए कार्यक्रम में बदलाव किया गया। सोमवार दोपहर करीब एक बजे आयोजन समिति ने दिव्य दरबार के कार्यक्रम की सामूहिक अर्जी निकाली जाएगी। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि भीड़ न लगाएं। अगर

कथावाचन का समय पहले के तरह ही रखा गया। यानी हनुमंत कथा वाचन शाम 4 बजे से शाम 7 बजे तक किया जाएगा।

बाबा बोले- हनुमंत कथा रद्द नहीं, सामूहिक अर्जी लगेगी- इधर, पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने लोगों से अपील की है कि जो जहां है वहीं से हनुमंत कथा को सुनें। अपने घर में रहकर ही कथा सुनें। उन्होंने कहा कि हनुमंत कथा रद्द नहीं होगी। अपने समय पर कथा होगी। लोगों से प्रार्थना की गई है कि बाकी लोगो को आने की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि कथास्थल वाले इलाके में जाम लग रहा है। ढाई-ढाई घंटे लोग जाम में फंस जा रहे। इसलिए अपील है घर में रहकर ही कथा सुनें। लाखों की भीड़ को देखते हुए अपील है कि कम से कम लोग पंडाल आएं। सोमवार को लगने वाले दरबार में सामूहिक अर्जी लगेगी। फिर जो हनुमान जी की इच्छा।

बाबा खुद अर्जी की प्रॉयरिटी तय करेंगे- आयोजन समिति के संरक्षक अरविंद ठाकुर ने कहा कि सामूहिक अर्जी लगेगी। बाबा खुद अर्जी की प्रॉयरिटी तय करेंगे। बाबा स्वतः पर्ची की पहचान करते हैं। लोगों से अपील है कि टीवी के माध्यम से भी लोग बाबा के दरबार में अर्जी लगा सकते हैं। श्रद्धालुओं की अप्रत्याशित भीड़ को देखते हुए सोमवार को लगने वाले दिव्य दरबार को कैंसिल किया गया था। आज बाबा सामूहिक पर्चा निकालेंगे। अरविंद ठाकुर ने कहा कि तरैत मठ की क्षमता 3 लाख लोगों की थी लेकिन 7 लाख श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

फर्जी आधार कार्ड तैयार कर लोन दिलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 7 शातिर गिरफ्तार

नोएडा। फर्जी आधार व पेन कार्ड बनाकर सिविल खराब होने के बावजूद लोगों को लोन दिलाने वाले गिरोह के सात शातिरों को सेक्टर-63 कोतवाली पुलिस ने दबोचा है। आरोपितों की पहचान दीपक कुमार, विशाल, अतुल गुप्ता, मनीष कुमार, शिवेंद्र सिंह, मोहित कुमार और मोहम्मद चांद के रूप में हुई है।

पुलिस ने इनके कब्जे से लैपटॉप, सीपीयू, वेब कैम कैमरा और फर्जी आधार कार्ड और पेन कार्ड बरामद किया है आरोपित एक ही व्यक्ति के कई कई आधार कार्ड व पैन कार्ड बनाने का काम करते है। जिन लोगों को किसी भी प्रकार के लोन की आवश्यकता होती है और उनका किसी कारण से बैको में सिविल खराब होता है तो उनके नाम आदि में बदलाव कर पैरों की अगुंलियों को स्कैन कर और किसी अन्य व्यक्ति के आंखों रेटीना लेकर हमसे मिला सिलिकोन का अंगूठा निशान का प्रयोग एक दूसरा आधार कार्ड तैयार करते है।

जिससे वह किसी भी प्रकार का लोन सिविल स्कोर खराब होने के बाद लोन प्राप्त कर लेते थे। कार , मोटरसाईकिल और मोबाईल का लोन फर्जी नाम पते पर लेते थे। जिसकी एवज में आरोपित 10 से 20 हजार रुपये एक आधार कार्ड बनाने के वसूलते है और पैसा आपस में काम के हिसाब से बांट लेते हैं।

संपादकीय

जनादेश और संदेश

इसकी पृष्ठभूमि काफी पहले से बननी शुरू हो गई थी। इससे कांग्रेस को स्वाभाविक रूप से पुनर्जीवन मिला है। इसे लेकर वह काफी आशान्वित भी थी। सरकार बनाने के लिए जरूरी बहुमत से कहीं अधिक सीटें उसे मिली हैं, इस तरह उसके भविष्य को लेकर फिलहाल कोई आशंका नहीं है। इन नतीजों का विश्लेषण कई लोग अगले साल होने वाले आम चुनाव पर पड़ने वाले असर के पैमाने के रूप में कर रहे हैं। मगर लोकतंत्र में हर चुनाव की स्थितियां भिन्न होती हैं और उन्हें परस्पर जोड़ कर देखना कई बार धोखादेह साबित हो सकता है। हालांकि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि कर्नाटक चुनाव परिणाम भाजपा के लिए खतरे की घंटी की तरह आए हैं। उसने चुनाव प्रचार में अपनी सारी ताकत झोंक दी थी, मतदाताओं को अपनी तरफ खींचने का हर तरीका आजमाने की कोशिश की, मगर कामयाब नहीं हो पाई, तो उसकी वजहें भी साफ हैं। दरअसल, लोगों ने पहले ही मन बना लिया था कि भाजपा को सत्ता में नहीं आने देना है। जब मतदाता का ऐसा रुझान होता है, तो राजनीतिक दल चाहे, जितने भी तरीके आजमा लें, जितनी भी ताकत झोंक लें, उन्हें कामयाबी नहीं मिल पाती। हिमाचल प्रदेश में भी यही हुआ। दरअसल, कर्नाटक में भाजपा सरकार के कामकाज को लेकर लोग खुश नहीं थे। सबसे अधिक नाराजगी भ्रष्टाचार की वजह से थी। चालीस प्रतिशत कमीशन की सरकार का जुमला उस पर काफी भारी पड़ा। सत्तापक्ष के कई नेता भ्रष्टाचार के मामलों में लिप्त पाए गए थे। फिर बेरोजगारी और महंगाई का मुद्दा भी भाजपा के खिलाफ गया। ये कुछ दाग ऐसे थे, जिन्हें धोना भाजपा के लिए आसान नहीं था, इसलिए उसने विकास का मुद्दा उठाया ही नहीं, जिसका बखान वह दूसरे राज्यों के चुनाव में करती रहती है। धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण करने का प्रयास करती रही, जो उसके खिलाफ ही गया। इसके उलट कांग्रेस बुनियादी और स्थानीय मुद्दों पर केंद्रित रही। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के समय ही कर्नाटक के लोगों का रुझान पता चल गया था। फिर सिद्धरमैया और डीके शिवकुमार जैसे कद्दावर नेताओं ने संगठित होकर जिस तरह काम किया, उसका प्रभाव पड़ा और कांग्रेस को उसका लाभ मिला। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का प्रभाव भी काम आया। इसके उलट, भाजपा में शुरू से ही असंतोष नजर आने लगा था। उसके कई वरिष्ठ नेता चुनाव के समय पार्टी छोड़ गए। हालांकि कुछ लोग इन नतीजों को जातीय समीकरण के आधार पर हल करते देखे जा रहे हैं, मगर इसमें जद (सेकु) की फजीहत को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दरअसल, कांग्रेस को सभी समुदायों का मत मिला। इस तरह स्पष्ट है कि कर्नाटक में कांग्रेस ने फिर से अपनी पुरानी जमीन वापस पाने में कामयाबी हासिल की है। उसे न केवल अल्पसंख्यकों, बल्कि अन्य पिछड़ी जातियों और दलित वर्ग का भी समर्थन हासिल हुआ है। इस नतीजे के पीछे केंद्र सरकार की नीतियों और कामकाज का असर भी देखा जा सकता है। इसलिए कई लोग इसके आधार पर आगामी आम चुनावों का आकलन कर रहे हैं। मगर कर्नाटक जैसी स्थितियां हर राज्य में नहीं हो सकतीं और न वैसा मिजाज हर राज्य के मतदाता का हो सकता है। उत्तर प्रदेश में स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा पर लोगों का अब भी भरोसा बना नजर आया है। पर स्पष्ट है कि भाजपा के लिए अब पहले की अतिउत्साह का समय नहीं रह गया है।

था उनको फंसाया!

हो रही थी साजिश ।
था उनको फंसाया ।।
आई खुल कर बात ।
मान है गिराया ।।
पड़ गए थे पीछे ।
था करना उगाही ।।
आज अब किस मोड़ पर ।
आ पहुंचे हैं राही ।।
डालने को फंदा ।
जाल था बिछाया ।।
ठान लिया था कर दें ।
कैसे भी सफाया ।।
एक सूत्री कार्यक्रम ।
मिले थोड़ा धन ।।
था यही उद्देश्य ।
किया जो जतन ।।

–कृष्णेन्द्र राय

बदलते दौर में पिछड़ती महिलाएं

आंकड़ों के मुताबिक विकासशील देशों में, पुरुषों की तुलना में महिलाओं की इंटरनेट तक पहुंच काफी कम है। तिरपन फीसद पुरुषों की तुलना में केवल इकतालीस फीसद महिलाएं इंटरनेट का उपयोग करती हैं। साथ ही महिलाओं के पास स्मार्टफोन होने की संभावना बीस फीसद कम है। महिला सशक्तिकरण एक ऐसी अनिवार्यता है, जिसकी अवहेलना किसी भी समाज और देश के विकास की गति को धीमा कर सकती है। ऐसे में महिलाओं को समान अवसर उपलब्ध कराना समाज और सरकारों की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मगर इक्कीसवीं सदी के भारत में क्या महिलाओं को वे अवसर मिल रहे हैं, जिससे देश या विश्व कल्याण की दिशा में आगे बढ़ा जा सके? यह सबसे ज्वलंत सवाल है। आज हम डिजिटल युग में जी रहे हैं, मगर इस युग में सूचना और संचार माध्यमों तक महिलाओं की सीमित पहुंच चिंता का एक विषय है।

सूचना, स्वास्थ्य, शिक्षा, ई-कामर्स और वित्तीय सेवाओं के लिए मोबाइल और इंटरनेट तक पहुंच आज की आवश्यकता है। मगर डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने वाली वैश्विक संस्था जीएसएमए द्वारा जारी मोबाइल जेंडर गैप रिपोर्ट, 2022 में यह तथ्य उजागर हुआ है कि देश एक बड़े डिजिटल विभाजन के दौर से गुजर रहा है। रिपोर्ट कहती है कि मोबाइल और इंटरनेट तक पहुंच के बिना ऐसे लोगों के और पीछे छूट जाने का खतरा है, जिसमें खासकर आधी आबादी शामिल है। गौरतलब है कि डिजिटल पहुंच का यह अंतर महिला सशक्तिकरण में बाधक बन रहा है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और बेहतर स्वास्थ्य के अवसरों से दूर कर रहा है। यहां तक कि सामाजिक हिस्सेदारी में भी पिछड़ापन साफ नजर आता है। कई बार महिलाएं इंटरनेट का इस्तेमाल तो करना चाहती हैं, पर सामाजिक परिवेश महिलाओं को इसकी इजाजत नहीं देता। एशियन डेवलपमेंट बैंक और सोशल नेटवर्किंग मंच लिंक्डइन की 2022 की संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार इस अंतर का यह अर्थ भी है कि महिलाएं श्रम बाजार में उन अवसरों से वंचित रह जाती हैं, जहां डिजिटल कुशलता की मांग होती है। ऐसी परिस्थिति में कार्यक्षेत्र में महिलाओं का प्रतिनिधित्व संकुचित हो जाता है। इसकी वजह से उन्हें न तो अच्छी नौकरी मिल पाती है और न ही उचित वेतन। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार देश में सिर्फ 54 फीसद महिलाओं के पास मोबाइल फोन है। वहीं 33 फीसद महिलाएं ही इंटरनेट का इस्तेमाल करती हैं। यह स्थिति और दयनीय तब हो जाती है, जब यह पता चलता है कि इनमें से केवल 22.5 प्रतिशत महिलाएं मोबाइल फोन से वित्तीय लेनदेन करती हैं। इन वजहों से महिलाएं समाज में काफी पीछे छूट जाती हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने लैंगिक डिजिटल भेदभाव को असमानता का नया चेहरा बताया है। उनका कहना है कि महिलाएं भेदभाव के नए तरीके का सामना कर रही हैं और डिजिटल दुनिया पर पुरुषों का वर्चस्व आने वाले समय में मुश्किलें पैदा कर सकता है। ऐसे में दुनिया और खासकर अपना देश आधुनिक होने का चाहे जितना दिखावा कर ले, लेकिन धरातल पर महिलाओं की स्थिति हर मामले में आज भी पुरुषों से कमतर है। बात जब आधी आबादी से जुड़े अधिकारों की होती है, तो समूचे विश्व में महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार साफ देखा जा सकता है।

महिलाओं से यही अपेक्षा की जाती है कि वे घर-परिवार की देखभाल करें, घर की चारदीवारी में सीमित रहें। महिलाओं को इंटरनेट और मोबाइल से दूर रखने के कारण भी पितृसत्तात्मक सोच से प्रेरित लगते हैं। भारत का डिजिटल लैंगिक अंतर मुख्य रूप से तीन कारकों का परिणाम है। इसमें पहला ग्रामीण-शहरी विभाजन है, दूसरा आय-आधारित विभाजन और तीसरा सामाजिक कारण है। सब जानते हैं कि देश में मोबाइल फोन को शादी से पहले महिलाओं की प्रतिष्ठा से जोड़ कर देखा जाता है। शहरों में इस दिशा में भले सोच में कुछ परिवर्तन देखने को मिल सकता है, लेकिन दूरदराज क्षेत्रों में शादी के बाद ही अक्सर मोबाइल फोन रखने की इजाजत महिलाओं को होती है। यहां तक कि महिलाओं की आनलाइन गतिविधियों पर अक्सर पुरुषों का नियंत्रण रहता है। महिलाओं का इंटरनेट के प्रति झुकाव कम होने का आर्थिक कारण भी है। एक आंकड़े के अनुसार अगर कोई परिवार मोबाइल इंटरनेट का उपयोग करता है, तो उसे कम से कम अपनी मासिक आय का तीन प्रतिशत इस पर खर्च करना पड़ सकता है, जो किसी भी कम आय वाले परिवार के लिए बहुत अधिक है। ऐसे में महिलाएं आर्थिक दबाव के कारण भी संचार तकनीक के मामले में पीछे छूट जाती हैं। एक अन्य अध्ययन में कहा गया है कि महिलाओं को सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने से रोका जाता है। महिलाएं इक्कीसवीं सदी में भी डिजिटल मंचों का इस्तेमाल करने में पुरुषों की तुलना में कोसों दूर हैं। ऐसे में भले दुनिया भर में महिला पुरुष समानता की बात हो रही है और हमारे संविधान की धारा 14 से 18 तक में समान अधिकारों की बात कही गई है, पर समाज में पुरुषवादी वर्चस्व किसी से छिपा नहीं है। तभी तो महिलाओं के पास फोन तो है, पर डेटा उपलब्धता के मामले में साफ पिछड़ापन देखा जा सकता है। यूएन वुमन जेंडर स्नैपशाट 2022 की रिपोर्ट की मानें तो लैंगिक डिजिटल विभाजन, डिजिटल दुनिया में महिलाओं को शामिल न करने से कम और मध्यम आय वाले देशों को जीडीपी में पिछले दस सालों में एक खरब डालर नुकसान का अनुमान है। रिपोर्ट में इस बात की भी चेतावनी दी गई है कि अगर इस समस्या को समय रहते दूर नहीं किया गया, तो यह नुकसान 2025 तक डेढ़ खरब डालर तक पहुंच सकता है। देखा जाए तो वर्तमान दौर में रोटी, कपड़ा और मकान के बाद मोबाइल फोन और इंटरनेट लोगों की बुनियादी जरूरतों में शामिल हो चुका है। बावजूद इसके, घर की महिलाएं इंटरनेट की पहुंच से काफी दूर हैं। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक डिजिटल तकनीक दुनिया भर में नब्बे फीसद नौकरियों का अभिन्न अंग है, मगर ये नौकरियां केवल डिजिटल रूप से सक्षम और महिलाओं की तुलना में पुरुषों के लिए अधिक उपलब्ध हैं। स्वाभाविक है कि अगर महिलाएं डिजिटल रूप से सक्षम नहीं होंगी, तो उनके लिए काम के अवसर भी कम होंगे। आंकड़ों के मुताबिक विकासशील देशों में, पुरुषों की तुलना में महिलाओं की इंटरनेट तक पहुंच काफी कम है। तिरपन फीसद पुरुषों की तुलना में केवल इकतालीस फीसद महिलाएं इंटरनेट का उपयोग करती हैं। साथ ही महिलाओं के पास स्मार्टफोन होने की संभावना बीस प्रतिशत कम है और परिवार के पुरुष सदस्यों से फोन उधार लेने की संभावना अधिक है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि लड़कियों की तुलना में लड़कों के पास स्मार्टफोन होने की संभावना अधिक होती है।

ऐसे में वक्त का तकाजा यही है कि आधी आबादी तक डिजिटल तकनीक की पहुंच सुनिश्चित कराई जाए, क्योंकि दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी भारत की है और इसमें लगभग आधी महिलाएं और लड़कियां हैं। मध्यप्रदेश का डिजिटल सखी अभियान इस दिशा में प्रेरणादायक कहानी बयान करता है, क्योंकि इस अभियान के माध्यम से युवतियां स्मार्टफोन के जरिए भेदभावपूर्ण सामाजिक मानदंडों को चुनौती दे रही हैं और समाज में व्याप्त डिजिटल लैंगिक भेदभाव को दूर करने की अलख जगा रही हैं। साथ ही प्रधानमंत्री ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के महत्त्व पर जोर दिया है, क्योंकि भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए जी-20 का आधिकारिक जुड़ाव मंच से अपनी पांच प्राथमिकताओं में से एक के रूप में लैंगिक डिजिटल विभाजन को पाटना है। ऐसे में महिलाओं तक इंटरनेट और मोबाइल की पहुंच सुनिश्चित करना जरूरी है।

संयुक्त परिवार आधुनिक जीवन की सबसे भरोसेमंद छत

मानसिक अवसाद और आर्थिक चुनौतियों से बचाता है सयुंक्त परिवार, संयुक्त परिवार हमारी संस्कृति और संस्कार की पाठशाला है

प्रखर भदोही। संयुक्त परिवार हमारी संस्कृति और संस्कार की पाठशाला रहे। लेकिन अब यह परिपाटी चटक रहीं है। एकल परिवार की संस्कृत बढ रहीं है। जिसकी वजह से जीवन में तमाम विसंगतियां पैदा होती दिखती है। लोग अवसाद का शिकार बन रहे हैं। फिर भी लोग मानते हैं कि तमाम चुनौतियों के बाद भी बदलते परिवेश में संयुक्त परिवार जीवन के लिए एक भरोसेमंद छत है। दुनिया भर में 15 मई संयुक्त परिवार दिवस के रूप में मनाया जाता है।

पूर्वांचल में अधिकांश आबादी कृषि अर्थव्यवस्था पर निर्भर है। लेकिन यहां के सबसे अधिक लोग रोजी-रोटी के लिए मुंबई जाते हैं। लेकिन फिर भी यहां संयुक्त परिवार की परंपरा कायम है। भदोही जनपद में ऐसे परिवारों की संख्या बहुतायत है। 25 से 30 लोग घर पर खेती बारी और दूसरे रोजी रोजगार में रह कर भी अपना जीवन यापन करते हैं। मुंबई या अन्य शहरों में रहने वाले लोग मांगलिक कार्यक्रमों और सुख-दुःख में घर आते हैं। संयुक्त परिवार में जिन बुजुर्गों ने आधे तन पर कपड़ा पहन और मोटे अनाज खाकर बच्चों को देश-विदेश-पढ़ने के लिए भेजा, उन्हें अच्छा जीवन दिया। बदले परिवेश में आधुनिक जीवन शैली जीने वाले उन्हीं परिवारों में बुजुर्गों की हालत क्या है। एकल परिवार की वजह वह अकेले जीवन यापन करने को बाध्य हैं।

भदोही जनपद के सुरियावां ब्लॉक के हरीपुर गांव निवासी पेशे से अधिवक्ता संजय दुबे के पिता राधेश्याम दुबे (94) उनकी मां प्रभावती (90) हैं। दोनों बुजुर्ग परिवार की शान हैं। घर के दरवाजे पर बैठे रहते हैं। पिता राधेश्याम की मूछों पर पूरा परिवार गर्व करता है। इतनी उम्र में भी वह स्वस्थ और मस्त हैं। सुबह स्नान के बाद बगैर चश्मा के हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ करते हैं। उन्होंने बताया कि संयुक्त परिवार से 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना जागृत होती है। लोग पैसे से सुख शांति चाहते हैं लेकिन संभव नहीं है। पुरानी पीढ़ी में लोग अभाव में भी सुख का आनंद लिया। महुआ मटर और मोटे अनाज खाकर मानसिक अवसाद और रोगों से दूर रहें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज खुद मोटे अनाज की वकालत करते हैं। उनके विचार में संयुक्त परिवार सबसे बड़ा धन है। संयुक्त परिवार से समाज राष्ट्र और देश को अच्छा संस्कार मिलता है। लोगों में समूह की भावना जागृत होती है।

राधेश्याम दुबे के पास चार लड़के हैं। सबसे बड़ी दशरथ दुबे दूसरे सुजीत दुबे और तीसरे पर आशीष दुबे। संजय भाइयों में सबसे छोटे हैं। सामाजिक दायित्व की जिम्मेदारी इन्हीं पर है। माता-पिता और भाइयों, महिलाओं और बच्चों को मिलाकर 30 परिवार का कुनबा है। 10 लोग मुंबई में रहते हैं। 20 लोग घर पर है। घर के पुरुष एक साथ मिलकर खेती करते हैं। परिवार की खपत के लिए सब्जी घर पर ही इफराद पैदा की जाती है। सभी युवा एम-एलएलबी हैं। संजय दुबे और भईयों आपस में अच्छा तालमेल है।

संजय दुबे के अनुसार संयुक्त परिवार आधुनिक जीवन की सबसे भरोसेमंद छत है। यहां आपसी तालमेल करके अपना जीवन सुख में बिता सकते हैं। किसी बड़े आर्थिक मोर्चे पर थोड़े-थोड़े सहयोग से बड़ा काम हो जाता है। सुख-दुःख में एक साथ लोग खड़े होते हैं। किसी को किसी प्रकार की चिंता नहीं करनी पड़ती है। जीवन में अकेलापन महसूस नहीं होता है। अवसाद जैसी कोई समस्या नहीं पनपने पाती है। बच्चों और युवाओं को भरपूर संस्कार मिलता है। खेती बारी के काम एक साथ मिलकर लोग निपटा लेते हैं। मजदूरों पर जाने वाला पैसा बचता है। इसी बहाने लोगों का व्यायाम होता है। युवा पीढ़ी-खेती बारी के काम भी सीखती है। हालांकि बदलते परिवेश में संयुक्त परिवार एक चुनौती है। लेकिन फिर भी बेहतर और अच्छा है।

संजय दुबे ने बताया कि कोविड-19 में सबसे अधिक जरूरत संयुक्त परिवार की महसूस हुईं। एकल परिवार की वजह से लोगों में अवसाद बढ़ रहा है। लोक तनाव के शिकार हो रहे हैं। सुख - दुःख खुद झेलना पड़ रहा है। जीवन में बहुत सारी दौलत होने के बावजूद भी लोग दुःखी हैं। संजय मानते हैं कि आधुनिक जीवन की व्यस्तताओं और जरूरतों की वजह से संयुक्त परिवार में अब पहले जैसा प्रेम नहीं दिखता है। लेकिन आधुनिक जीवन में आज भी सुखी रहने का सबसे अच्छा तरीका संयुक्त परिवार है। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवार जैसा प्रबंधन दुनिया का कोई भी मैनेजमेंट या इंस्टिट्यूट नहीं सिखा सकता है। सबसे बेहतर जीवन शैली, निरोगी काया और सुख शांति चाहते हैं तो संयुक्त परिवार की परंपरा हमें हर हालत में बढ़ानी होगी।

लोकतंत्र में जंतर-मंतर और जनपक्ष?

लोकतंत्र में क्या सत्ता सर्वोपरि है। लोकहितों का संरक्षण क्या उसका दायित्व नहीं है। जिसके हाथ में सत्ता है वह क्या संवैधानिक संस्थाओं से अलग है। सत्ता में आने के बाद क्या जनतांत्रिक अधिकार हाशिए पर चले जाते हैं।संविधान में वर्णित अपने अधिकारों के लिए आम आदमी को सड़क पर क्यों उतरना पड़ता है। सत्ता से जुड़े मंत्री विधायकों को कानूनी संरक्षण क्यों दिया जाता है। जनतंत्र के प्रति क्या सरकारें अपना दायित्व खोती जा रहे हैं। संवैधानिक संस्थाओं का गला दबाकर क्या समानानंतर एक नई व्यवस्था कायम की जा रही है। आम आदमी एक छोटा सा अपराध अगर करता है तो उसे सीधे जेल में भेज दिया जाता है। लेकिन सत्ता एवं सरकार पर अपनी पकड़ रखने वाले राजनेताओं को जेल क्यों नहीं होती है।

सत्ता क्या कानून व्यवस्था की परिभाषा बदल रही है। संवैधानिक संस्थाओं का क्या पूरी तरह राजनीतिक कारण हो रहा है। लोकतंत्र में आम आदमी के अधिकार क्या आम और खास में विभाजित हो गए हैं। अगर ऐसा नहीं है तो जंतर-मंतर पर पहलवानों की तरफ से दिए जा रहे धरने का केंद्र सरकार संज्ञान क्यों नहीं ले रहीं है। धरने पर बैठने वाली विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया सहित दूसरे पहलवान कोई आम व्यक्ति नहीं हैं।उन्होंने देश के लिए मेडल जीता है। देश का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष पर रखा है। मेडल जीतने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें बधाई दी है। पूरा देश पलक पावडे बिछा कर उनका स्वागत किया है। फिर पहलवानों की जायज मांग पर सरकार संज्ञान क्यों नहीं ले रही है। धरने का राजनीतिकरण क्यों किया जा रहा है। कुश्ती संघ के अध्यक्ष और सांसद बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी मुकदमा लिखने के बाद फिर क्यों नहीं हो रही। यह सब बातें साफ तौर पर जाहिर करती है कि उन्हें सरकार का सीधा संरक्षण है।

जंतर मंतर पर अपनी मांगों को लेकर बैठे पहलवान कितने सच है मैं यह नहीं कह सकता। उनकी तरह से लगाए गए आरोप कितने खरे हैं यह भी कहना मुश्किल है। महिला पहलवानों के यौन शोषण में सांसद बृजभूषण शरण सिंह कि कितनी भूमिका रही है यह सब पूरी तरह जांच का विषय है। हालांकि मीडिया में दिए गए अपने बयान में उन्होंने बार-बार कहा है कि वह बिल्कुल निर्दोष हैं। पहलवानों की तरफ से लगाए गए आरोप बेबुनियाद और मनगढ़ंत है। एक निजी चैनल को दिए गए साक्षात्कार में शिलाजीत खाने का बयान भी खूब सुर्खियों में रहा। महिला पहलवानों का आरोप कितना सच है बृजभूषण शरण सिंह कितने दूध के धुले हैं यह सब जांच के दायरे में आता है। लेकिन इस पूरे प्रकरण में पुलिस की भूमिका बेहद गैर जिम्मेदाराना रहीं है। महिला पहलवानों को बृजभूषण शरण सिंह पर एफआईआर दर्ज कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। अदालत के आदेश के बाद सांसद पर मुकदमा दर्ज हुआ। लेकिन अभी तक उनकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। कुश्ती संघ के अध्यक्ष और सांसद बृजभूषण शरण पर सेक्सुअल हरासमेंट और पास्को एक्ट में मुकदमा दर्ज हुआ है। निर्भया कांड के बाद 2013 में इस एक्ट में संशोधन हुआ। जिसमें यह तथ्य शामिल हुआ कि इसके तहत मुकदमा दर्ज होने बाद तत्काल गिरफ्तारी होनी चाहिए। मीडिया में अधिवक्ताओं के बयान के मुताबिक इस धारा में जमानत भी आसान नहीं होती है। महिला पहलवानों की तरफ से इतने संगीन आरोप लगाए जाने और मुकदमा दर्ज होने के बाद भी सांसद की गिरफ्तारी पुलिस क्यों नहीं कर रही है। पुलिस अपने कर्तव्य के प्रति कितनी नैतिक है यह भी सवाल उठने लगा है। पुलिस क्या सत्ता और राजनीति की कठपुतली हो चली है। वह क्या सुप्रीमकोर्ट से भी ऊपर है। महिला पहलवानों का मुकदमा उसने क्यों नहीं लिखा। पहलवानों को सुप्रीमकोर्ट तक क्यों जाना पड़ा।

'द केरला स्टोरी : प्रतिबंध फिल्म पर अथवा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर? विषय पर विशेष संवाद!

लव जिहाद के विषय में हिन्दुओं के जागृत होने के भय से द केरला स्टोरी फिल्म का विरोध! – अधिवक्ता मणि मित्तल

लव जिहाद जैसे संवेदनशील विषय पर द केरला स्टोरी फिल्म बनानेवाले निमार्ता तथा निर्देशक का अभिनंदन किया जाना चाहिए । पश्चिम बंगाल एवं तमिलनाडु की सरकारों ने द केरला स्टोरी पर प्रतिबंध लगाया है। वामपंथियों तथा मुसलमानों का तुष्टीकरण करनेवाले इन राज्यों को न्यायालय द्वारा इस विषय में फटकारने पर भी उन्होंने हिन्दुओं की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को ठेस पहुंचाई है। इन राज्यों में भले ही इस फिल्म पर प्रतिबंध लगा दिया गया हो; परंतु अब केवल भारत में ही नहीं, अपितु विदेशों में भी अनेक देशों में यह फिल्म प्रदर्शित हुई है तथा वहां के दर्शकों का उन्हें प्रचुर मात्रा में समर्थन मिल रहा है। अब लव जिहाद करानेवाले लोगों की पोल खुल गई है तथा द केरला स्टोरी जैसी फिल्में देखकर हिन्दू जागृत हो जाएंगे; इस भय से द केरला स्टोरी का विरोध किया जा रहा है। सर्वोच्च न्यायालय की अधिवक्ता मणि मित्तल ने ऐसा प्रतिपादित किया। वे हिन्दू जनजागृति समिति की ओर से आयोजित द केरला स्टोरी : प्रतिबंध फिल्म पर अथवा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर विषय पर आयोजित ऑनलाइन विशेष संवाद में बोल रही थीं। अधिवक्ता मणि मित्तल ने आगे कहा कि वास्तव में देखा जाए, तो द केरला स्टोरी फिल्म में लव जिहाद के विषय में थोडासा ही दिखाया गया है, वास्तविकता तो बहुत भयानक है। हिन्दुओं की भावनाएं आहत करनेवाली ओ माई गॉड, पीके जैसी अनेक फिल्में प्रदर्शित हुईं, साथ ही आश्रम जैसी वेबसीरिज से हिन्दू धर्म एवं ऋषि-मुनियों को अपमानित किया गया। आज द केरला स्टोरी का विरोध करनेवाले उस समय मौन थे। हिन्दुओं को द केरला स्टोरी फिल्म का बडे स्तर पर समर्थन करना चाहिए।

हिन्दू जनजागृति समिति के महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ राज्य संगठक श्री. सुनील घनवट ने कहा कि द केरला स्टोरी फिल्म केवल केरल तक ही सीमित नहीं है, अपितु देश-विदेश में लव जिहाद का षड्यंत्र चल रहा है । इस फिल्म से आतंकी संगठन आई.एस.आई.एस. की वास्तविकता सामने आई है। कुछ राजनीतिक दलों के नेता इस फिल्म का विरोध कर रहे हैं, तो क्या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता केवल अल्पसंख्यकों के लिए ही है? लव जिहाद एवं आतंकवाद की वास्तविकता को स्वीकार न करते हुए यह फिल्म मुसलमानों के विरुद्ध है, यह संभ्रम निर्माण करनेवाला दुष्प्रचार किया जा रहा है। यह फिल्म बनानेवालों ने जो यह साहस दिखाया है, उसके लिए हिन्दू जनजागृति समिति इन सभी लोगों का अभिनंदन करती है । हिन्दू समाज अब जागृत है तथा द केरला स्टोरी फिल्म अधिकाधिक लोग देखें; इसके लिए अनेक लोग सोशल मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों से प्रसार कर रहे हैं, वे लोग भी अभिनंदन के पात्र हैं। आज की स्थिति में द कश्मीर फाईल्स, द केरला स्टोरी जैसे हिन्दुओं को जागृत करनेवाली अनेक फिल्में बनाना आवश्यक है।

खाताधारकों को वापस मिलेगी

पुराने बैंक खातों की रकम

आपको अचानक कहीं से कुछ रकम हाथ लग जाए तो आपकी खुशी का तो ठिकाना ही नहीं रहेगा। लेकिन यह बात सच है कि बहुत जल्द ही कुछ रकम आपके हाथ आने वाली है। यह रकम ऐसे लोगों को मिलेगी जिनके कुछ ऐसे बैंक खाते हैं जिनमें दस साल से कोई भी ट्रांजेक्शन नहीं हुआ है। अगर आपके भी पूर्व में कुछ ऐसे बैंक खाते थे जिनमें आपने कुछ रकम छोड़ दी थी और खाता बंद नहीं किया था। साथ ही बीते दस साल से कोई ट्रांजेक्शन भी नहीं किया है तो आपको भी आपके बैंक खाते में रखी पुरानी रकम वापस मिल सकती है

कमाल अहमद रूमी
आर्थिक पत्रकार

हर व्यक्ति अपने जीवन के विभिन्न पड़ावों पर अलग-अलग बैंकों में खाते खोलता है लेकिन कुछ समय बीत जाने के बाद किन्हीं कारणों से उसे किसी अन्य बैंक में खाता खोलना पड़ता है। ऐसे में पुराने बैंक खाते में ट्रांजेक्शन बंद हो जाता है। बैंक भी एक-दो साल तक अपने ग्राहक के खाते का रखरखाव करता है और कुछ समय तक उसमें शेष रकम पर ब्याज भी जोड़ता रहता है लेकिन कुछ समय बाद उसे 'डेड अकाउंट' की श्रेणी में डाल देता है और इसपर ब्याज की गणना भी बंद कर देता है। ऐसे खाते कई वर्षों तक बंद पड़े रहते हैं लेकिन खाताधारक कभी उस खाते की सुध ही नहीं लेता और उसके बारे में एकदम भूल ही जाता है। सरकार द्वारा अब इस तरह के बैंक खातों में रखी धनराशि को उसके वास्तविक हकदार (खाताधारक) तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। इसी कड़ी में कामर्शियल बैंकों ने ऐसे 10.24 करोड़ खातों में रखे 35 हजार करोड़ रुपए भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा कराए हैं जिनका कोई दावेदार नहीं है।

पोर्टल बना रहा रिजर्व बैंक

कामर्शियल बैंकों से मिली इतनी बड़ी रकम को उसके वास्तविक खाताधारक तक पहुंचाने के लिए रिजर्व बैंक ने एक प्रक्रिया शुरू की है। इस प्रक्रिया के तहत केंद्रीय बैंक द्वारा एक ऐसा सेंट्रलाइज्ड पोर्टल तैयार किया जा रहा है जिसपर ऐसे सभी खाताधारकों के खातों का विवरण होगा जो किसी व्यक्ति द्वारा पूर्व में खोले गए थे लेकिन किन्हीं कारणों से उन खातों में ट्रांजेक्शन बंद हो गया था और बैंक ने कुछ समय बाद उन खातों को डेड अकाउंट की श्रेणी में डाल दिया था। इस पोर्टल के जरिए सभी खाताधारकों को उनका पैसा लौटाने की तैयारी रिजर्व बैंक कर रहा है।

कैसे काम करेगा पोर्टल

इस पोर्टल पर बैंक का नाम, खाताधारक का नाम, खाता संख्या व कुछ अन्य विवरण उपलब्ध कराया जाएगा। अगर आपके भी पुराने कई बैंक खाते हैं तो आप उन खातों के बारे में इस पोर्टल के जरिए पता लगा सकते हैं साथ ही खाते में पड़ी रकम की भी जानकारी हासिल कर सकते हैं। इसके लिए खाताधारक को अपने बैंक का नाम और अपनी खाता संख्या याद होना जरूरी है। इसके जरिए यह जानकारी प्राप्त की जा सकती है कि आपके पुराने बैंक खातों में कितन रकम है। अगर आप यह रकम निकालना चाहते हैं तो आप अपनी पुराने बैंक जाकर केवाईसी दस्तावेजों के साथ अपने खाते में पड़ी रकम वापस पाने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

खाताधारक की मृत्यु पर क्या करें

अगर किसी खाताधारक की मृत्यु हो चुकी हो तो इस रकम पर उसके नामिनी का अधिकार होगा। नामिनी को चाहिए कि वह खाताधारक का मृत्यु प्रमाणपत्र और अपने व खाताधारक के केवाईसी दस्तावेज के साथ संबंधित बैंक में संपर्क करें और अपनी रकम वापस पाने के लिए सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी करें।

संयुक्त खाताधारक के लिए क्या हैं नियम

अगर दो या तीन व्यक्तियों ने मिलकर संयुक्त बैंक खाता खोला हो और अब उसमें किसी तरह का ट्रांजेक्शन ना होता हो, यहां तक कि एक या दो खाताधारकों की मृत्य हो चुकी हो तो ऐसी स्थिति में संयुक्त खाते के जीवित व्यक्ति को मृत खाताधारक या खाताधारकों के मृत्यु प्रमाणपत्र व अपने केवाईसी दस्तावेज के साथ बैंक से संपर्क करना होगा। अगर संयुक्त खाते के सभी खाताधारकों का निधन हो चुका हो तो नामिनी को यह प्रक्रिया अपनानी होगी।

पोर्टल पर होगा दस साल पुराने खातों का विवरण

रिजर्व बैंक के केंद्रीयकृत पोर्टल पर दस साल या इससे ज्यादा पुराने ऐसे बैंक खातों का विवरण होगा जिनमें उक्त अवधि में कोई ट्रांजेक्शन नहीं किया गया है और बैंक ने उन खातों को निष्क्रिय बैंक खातों की श्रेणी में डाल दिया हो।

शेयर में पड़ी पुरानी रकम भी मिलेगी वापस

अक्सर लोग कोई म्यूचुअल फंड, बीमा, शेयर या डिविडेंड की रकम लेना भूल जाते हैं या किन्हीं कारणों से उनको भेजा गया चेक वापस आ जाता है तो ऐसे लोगों की रकम को भी उसके वास्तविक हकदार तक पहुंचाने की तैयारी वित्त मंत्रालय कर रहा है। इसके लिए सरकार अलग पोर्टल तैयार करेगी या इसी पोर्टल पर अलग-अलग खंड बना देगी जिसके जरिए लोग अपने पुराने निवेश की जानकारी हासिल करके उसमें पड़ी रकम वापस प्राप्त कर सकते हैं।

नामिनी नहीं है तो रकम का क्या होगा

अगर बैंकों में कोई ऐसा खाता मिलता है जिसमें नामिनी का जिक्र नहीं है तो ऐसे मामलों में संबंधित विभाग निर्धारित प्रक्रिया के तहत काम करेगा। अर्थात उस रकम को खाताधारक या निवेशक के कानूनी वारिस को सौंप दिया जाएगा।

फिलहाल क्या है व्यवस्था

बैंकों द्वारा ऐसे खातों में पड़ी रकम को डोरमैन्ट अकाउंट में ट्रांसफर कर दिया जाता है जिसमें पिछले दस वर्षों से कोई ट्रांजेक्शन ना हुआ हो। लेकिन डोरमैन्ट अकाउंट (निष्क्रिय खाते) से रकम निकालना बेहद मुश्किल भरा काम है और इसके लिए आपको यह साबित करना होगा कि वास्तव में आप ही उस रकम के वास्तविक हकदार हैं। सभी बैंक निष्क्रिय बैंक खातों के बारे में अपनी वेबसाइट पर जानकारी उपलब्ध कराते हैं। अगर आपको भी पता चलता है कि बैंक ने आपके बैंक खाते को निष्क्रिय खातों की सूची में दर्ज कर रहा है तो आपको बैंक जाकर इस रकम को क्लेम करना होगा। बैंक आपको क्लेम फार्म देगा जिसे भरकर अपने केवाईसी दस्तावेज के साथ बैंक में जमा करना होगा। ध्यान रहे कि आप केवाईसी के रूप में जो भी जानकारी मुहैया कराएं उससे यह साबित होता हो कि आप ही उक्त खाते के असली खाताधारक, वारिस या नामिनी हैं।

जून से मिलेंगे पैसे, चलेगा '100 DAYS 100 PAYS अभियान

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों में पड़ी बिना दावे वाली रकम के वारिसों को खोज कर उनकी रकम लौटाने के लिए एक जून से 100 डेज 100 पेज अभियान चलाने का ऐलान किया है। अभियान के तहत देश के प्रत्येक जिले में 100 दिनों के भीतर बैंक के टाप 100 अनक्लेम्ड डिपाजिट्स को उनके वास्तविक हकदार को सौंपा जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

सेवरहीं चीनी मिल गन्ने का भुगतान समय से करने में फिसड्डी

प्रखर कुशीनगर। एक तरफ तो प्रदेश सरकार किसानों के गन्ने का भुगतान 14 दिन में कराने के लिये कटिबध्द है । वहीं जनपद के सेवरहीं चीनी मिल सरकार को ठेंगा दिखाकर किसानों के गन्ने का भुगतान करने में सबसे पीछे चल रही है। जनपद के सेवरहीं क्षेत्र के किसानों की माने तो लगभग दो महीने का भुगतान चीनी मिल पर बकाया है और मिल मालिक किसानों के गन्ने का भुगतान करने में हिल्ला हवाली कर रहा है। किसानों का कहना है कि, इस समय बच्चों की शादी, खेतीबारी का समय चल रहा है हम अपनी गाढ़ी कमाई का पैसा गन्ने बोने में इस उम्मीद के साथ लगाते है कि गन्ने का भुगतान समय से हो जायेगा तो हम अपनी सभी जरूरतों को पूरा कर लेंगें मगर हम लोगों का सपना चीनी मिल आँसुओं में तबदील कर दिया है। यदि चीनी मिल सेवरहीं का रवैया किसानों के प्रति यही रहा तो किसानों को गन्ने की खेती से मोह भंग होने में देर नही लगेगी।

डीएम के आदेश पर एक से पांच तक के स्कूलों की छुट्टी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बेतहाशा चिलचिलाती धूप और मौसम की बेरुखी को देखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर बेसिक शिक्षा विभाग ने कक्षा 1 से 5 तक के स्कूलों की छुट्टी का फरमान जारी किया है। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश में लिखा है कि जिला अधिकारी के आदेश के अनुपालन में जनपद गाजीपुर के कक्षा 1 से 5 तक के समस्त परिषदीय, मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त विद्यालयों में 16 मई से ग्रीष्मावकाश प्रारंभ होने तक शिक्षण कार्य बंद रहेगा तथा कक्षा 6 से 8 तक के विद्यालयों का संचालन पूर्व की भांति यथावत रहेगा। समस्त विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक एवं अन्य शिक्षणेत्तर कर्मचारी प्रातः 7 बजे से अपरान्ह 1 बजे तक पूर्व की भांति विद्यालय पर उपस्थित होकर विभागीय कार्य शिक्षण कार्यों का संपादन करेंगे उक्त आदेश का पालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाए।

एक दर्जन पशुओं के साथ 3 पशु तस्कर गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गोवध के लिये बिहार ले जा रहे एक दर्जन मवेशियों के साथ तीन पशु तस्करों को बहरियाबाद थाना पुलिस ने रविवार की देररात गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को यह कामयाबी रात में गस्त के दौरान क्षेत्र के गहनी गांव के पास मुखबिर की सूचना पर मिली। सूचना मिली कि ग्राम गहनी के पास कुछ लोग 10-12 मवेशियों को हांक कर इकठ्ठा कर रहे हैं और रात के अंधेरे में वध हेतु बिहार ले जाने की फिराक में हैं। घेराबंदी करते हुए पुलिस ने मौके से तीन अभियुक्तों को एक चाकू के साथ धर दबोचा और उनके कब्जे से एक दर्जन मवेशियों को बरामद किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में जनार्दन यादव पुत्र निहोरी, निवासी ग्राम गहनी थाना बहरियाबाद, दुखंती बिन्द पुत्र राम कुंवर निवासी रामपुर उर्फ सलेमपुर थाना जमानियां तथा नरेंद्र बिन्द पुत्र बिजेन्द्र बिन्द निवासी मच्छरमारा थाना जमानियां रहे। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों का चालान न्यायालय के सुपुर्द किया। वहीं बरामद एक दर्जन मवेशियों को करीब के गोआश्रय स्थल पर भेजा गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष कृपेन्द्र प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक सुरेश यादव, मुख्य आरक्षी सूर्य प्रताप यादव, विवेक कुमार, शत्रुन्जय यादव, प्रशांत पांडेय, विनोद प्रजापति, धीरज, अरविन्द, सुनील व महिला कांस्टेबल शारदा शामिल रहीं।

किसान मसीह चौधरी महेंद्रसिंह टिकैत की मनाई गई 12वीं पुण्यतिथि

प्रखर मिजार्पुर। नरायनपुर स्थित शिव मंदिर परिसर बैकुंठपुर मे भाकियू की एक बैठक बुलाई गई जिसमे अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कंचन सिंह फौजी और संचालन वीरेंद्र सिंह जिला महासचिव ने की, किसान मसीह चौधरी महेंद्रसिंह टिकैत के 12वी पुण्यतिथी पर पं राजेन्द्र प्रसाद शास्त्री द्वारा हवनपुजन, वृक्षारोपण कर, महेंद्र सिंह टिकैत जी को याद करते हुए श्रध्दा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया, जिसमे प्रहलाद सिंह प्रदेश महासचिव बाबा टिकैत जी को याद किया और बताया कि आज किसान बोलना और आन्दोलन करना सीख गया हैं, आन्दोलन की शुरूआत करमू खेड़ी बिजली घर से किया गया, प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि बाबा टिकैत के सिद्धांतों पर चलकर किसानों के लिए काम करते हुए संगठन को मजबूत करना हैं,। कंचन सिंह फौजी ने सभी का आभार प्रकट किया और बाबा टिकैत के पुण्य तिथि पर जीवन श्री हॉस्पिटल में डॉक्टर अरबिंद सिंह के साथ मरीजों को फल वितरित किया गया, आज के कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह, प्रदेश महासचिव प्रहलाद सिंह, मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह, जिला अध्यक्ष कंचन सिंह फौजी, जिला महासचिव वीरेंद्र सिंह, जिला उपाध्यक्ष शिवप्रसाद सिंह, जिला कोषाध्यक्ष स्वामी दयाल सिंह, प्रदेश पूर्वांचल सदस्य रामसृंगार सिंह, रामसूरत सिंह, जिला सचिव डा पंचम सिंह, जिला मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र सिंह, युवा जिला महासचिव विश्वनाथ सिंह ब्लॉक अध्यक्ष नारायणपुर रामवृक्ष सिंह ,उपाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह ,प्रधान अरविंद सिंह, परशुराम मोरे रामचंद्र सिंह लक्ष्मण सिंह महेंद्र सिंह, सदानंद सिंह , घूरे प्रसाद बिंद, महिला मोर्चा अध्यक्ष सावित्री देवी भोलानाथ गिरी डॉक्टर रामप्यारे सिंह, लल्लन सिंह, मनोज सिंह, रामचरण सिंह रहे।

विद्युत विभाग के चेकिंग अभियान में 21 उपभोक्ताओं पर विद्युत चोरी में एफआईआर दर्ज

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अधीक्षण अभियंता राकेश मोहन के निर्देशन पर विद्युत वितरण खंड द्युतीय आमघाट के अधिशासी अभियंता संजीव कुमार एवम सहायक अभियंता सुधीर कुमार के नेतृत्व में रौजा उपकेंद्र के मोहल्ला चंद्रशेखर नगर में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमे 21 लोग मीटर बाईपास कर मौके पर विद्युत उपभोग करते हुवे पकड़े गए, जिनमें सभी लोगो के खिलाफ विद्युत चोरी एवम राजस्व नुकसान में बिजिलेंस थाने रौजा पर मुकदमा पंजीकृत कराया गया। वही तीन लोगो का जला मीटर बदलकर मौके पर नया मीटर स्थापित किया गया एवम 9 लोगो का लोड बढ़ाया गया। वही 12 लाख के बकाया पर चार लोगो की लाइट खोली गई। सहायक अभियंता सुधीर कुमार ने बताया कि रौजा छेत्र में बराबर लो वोल्टेज, ओभार लोड ट्रांसफार्मर, मीटर बाईपास की शिकायत बार बार मिल रही थी, जिसमे चेकिंग के दौरान 21 लोगो के ऊपर विद्युत चोरी में कार्यवाही की गई है। आगे भी इसी तरह की कांबिंग इस क्षेत्र में चलता रहेगा। आगे उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील किया की जनहित में बिजली बचाए एवम विद्युत चोरी कत्तई ना करे, कोई भी मीटर बाईपास करके विद्युत उपभोग ना करे एवम समय से अपने अपने बिल का भुगतान अवश्य करे। चेकिंग टीम में मुख्य रूप से अवर अभियंता अमित गुप्ता, जीएमटी वेदांत त्रिपाठी सहित मीटर रीडर, संविदा कर्मी मौजूद रहें।

मातृ दिवस पर माँ के नाम किया गया रक्तदान

प्रखर मिजार्पुर। मातृ दिवस पर होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल वाराणसी में विंध्य फाउंडेशन ट्रस्ट, काशी रक्तदान नेत्रदान कुटुंब, भारत विकास परिषद वाराणसी, जय श्री कृष्णा संस्थान के सयुक्त तत्वाधान में वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमे 32 यूनिट रक्तदान और 18 यूनिट रऊढ डोनेशन हुआ । विंध्य फाउंडेशन ट्रस्ट के सचिव अभिषेक साहू ने कहा कि यहां पर इलाज के दौरान बच्चों को लगातार एसडीपी की जरूरत पड़ती है एवं हमारी संस्था ने संकल्प लिया है कि इन बच्चों के लिए हमारी संस्था हमेशा रक्तदान शिविर का आयोजन करती रहेगी। रक्तदान करने वालों में संस्था के उपाध्यक्ष आशुतोष हैहयवंशी, सचिव अभिषेक साहू, डायल 100 सदस्य हिमांशु कसेरा, सक्रिय सदस्य स्वतंत्र सिंह, अजीत यादव, आदित्य बरनवाल एवं काशी रक्तदान नेत्रदान कुटुंब के अध्यक्ष नीरज पारीक और सचिव राजेश

गुप्ता ने एवं शिवम शाखा अध्यक्ष एडवोकेट बृज गोपाल दास, निमेश, सुनिल जैन, नविता पारिख, रूबी शाह, आयुष शाह,सुमन पंड्या, अंजु रस्तोगी, संजय चौधरी, मितेश आशर, जैत्रीक आशर, रचित जैन, देवेश अग्रवाल, कुशल पटेल, अभय नागर,संजू श्रींगारिया, बाल कृष्ण, आदित्य सरीन, सुनिल जयसवाल, जितेंद्र कपूर ने सफल एसडीपी डोनेशन के साथ ही सभी संस्थाओं के रक्तवीर एवं रक्त वीरांगनाओं ने अपना सफल रक्तदान के माध्यम से यह संदेश दिया कि रक्तदान से बड़ा कोई भी दान नहीं है आपके एक रक्तदान के माध्यम से 4 लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है।। कार्यक्रम का संचालन भारत विकास परिषद वाराणसी के प्रांतीय रक्तदान प्रमुख नमित पारीक जी ने किया।

मासूम के साथ दरिंदगी का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

बांसडीह/बलिया। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी तीन वर्षीय मासूम से दुष्कर्म के बाद गला दबाकर हत्या करने वाले आरोपी उमेश बिंद निवासी राजपुर को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पैर में गोली लगी है। उपचार के लिए पुलिस उसे सीएचसी बांसडीह ले गई। वहां चिकित्सक ने जिला अस्पताल को रेफर कर दिया। बांसडीह कोतवाली के एक गांव में सोमवार को घर के बाहर खेल रही तीन वर्षीय मासूम को आरोपी ने झाड़ी में ले जाकर दुष्कर्म कर गला दबाकर हत्या कर दी। दूसरे दिन मंगलवार को घर से चंद कदम दूर झाड़ी में मासूम बेसुध अवस्था में पड़ी मिली। परिजन सांप काटने के अंदेशा में झाड़ फूंक कराने लगे। होश न आने पर उसे उपचार के लिए सीएचसी लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सक ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया। रिपोर्ट में दुष्कर्म के बाद गला दबाकर हत्या की पुष्टि होने पर खलबली मच गई। निकाय चुनाव होने के कारण पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर सकी। दूसरे दिन शुक्रवार को दुष्कर्म के आरोपी की गिरफ्तारी के लिए सक्रिय हो गई। घटना में राजपुर निवासी उमेश बिंद का नाम आने पर पुलिस टीम उसकी खोजबीन में लग गई। इसी बीच मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बड़सरी मोड़ के समीप ईट भट्ठे के पास से गिरफ्तारी का प्रयास किया। पुलिस को देख उमेश ने फायर कर दिया।

सपा उम्मीदवार इंदु देवी ने अध्यक्ष पद पर किया कब्जा

नगरा, बलिया। नगर पंचायत नगरा का तीन साल पूर्व गठन हुआ। तभी से नगरा की जनता चुनाव को लेकर बेसब्री से प्रतीक्षा में थी। यह ग्राम पंचायत तीन ग्राम पंचायतों नगरा, चचया और भंडारी को मिलाकर बनाई गई। नव सृजित नगर पंचायत में कुल 19718 मतदाता हैं। चुनाव में 11498 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का पहली बार नगर पंचायत में प्रयोग किया है । इस नगर पंचायत के प्रथम चुनाव में अध्यक्ष पद महिला अनुसूचित हेतु आरक्षित थी । पहले ही चुनाव में अध्यक्ष पद पर सपा उम्मीदवार इंदु देवी ने अपने प्रतिद्वंदी भाजपा प्रत्याशी रेनू देवी को 1701 मतो से पराजित कर अध्यक्ष पद पर कब्जा कर लिया। इंदु देवी की जीत से उनके सपा समर्थको में हर्ष व्याप्त हैं। निकाय चुनाव की मतगणना तहसील मुख्यालय रसड़ा के सभा कक्ष में सम्पन्न हुई। चार चरणों की मतगणना के बाद सपा उम्मीदवार इंदु देवी को 5755 मत मिले, जबकि उनकी प्रतिद्वंदी भाजपा प्रत्याशी रेनू देवी को 4054 मत प्राप्त हुए। बसपा के संपति देवी को 750 वोटो से संतोष करना पड़ा। अध्यक्ष पद पर कुल 9 अनुसूचित महिला उम्मीदवार मैदान में थी ।मतगणना के दौरान जहां सीडीओ बलिया मतगणना स्थल पर जमे रहे, वहीं प्रेक्षक भी मतगणना स्थल का दौड़ा कर आवश्यक जानकारी हासिल की। इस दौरान तहसील मुख्यालय पुलिस छावनी में तब्दील रहा।

गर्मियों में क्यों बालों में पड़ जाती हैं गांठे

हम में से कई लोगों के बाल शैम्पू करने के बाद उलझने लगते हैं, कंघी करते वक्त इन बालों में गांठें बनने लगती है। अगर ये लगातार उलझे हुए रहने लगें तो इससे ये कमजोर होकर टूटने लगते हैं। गर्मियों में तो यह समस्या और भी ज्यादा रहने लगती है। बालों को उलझने से बचाने के लिए कंडीशनर और हेयर स्पा जैसे हेयर केयर प्रॉडक्ट से बालों को सुलझाया जाता सकता है, लेकिन नतीजे से पहले आपको इस बात की तह तक जाना बहुत जरुरी है। आखिर बाल उलझने की मूल वजह क्या है। इस वजह को जानकर आप अपने बालों को उलझने से बचा सकते हैं।

डिहाइड्रेशन की वजह से

गर्मियों में डिहाइड्रेशन सिर्फ शरीर में ही नहीं होती है, बल्कि ये बालों में भी होती है। अगर शरीर में पानी की कमी हो जाए तो बाल भी उलझने लगते हैं। रूखे बाल आपस में बुरी तरह उलझ जाते हैं और उन्हें सुलझाना मुश्किल होता है। जब बाल अच्छी तरह हाइड्रेटेड नहीं रहते, तो बाल कमज़ोर और संवेदनशील हो जाते हैं, जिससे वे बीच से ही टूटने लगते हैं। इसलिए नियमित रूप से बालों को कंडीशनर करें और बीच-बीच में मॉइस्चराइज़िंग हेयर मास्क का भी इस्तेमाल करें। ढेर सारा पानी और लिक्विड पिएं, ताकि शरीर के साथ आपके बाल हाइड्रेटेड रहें।

अल्कोहल युक्त शैम्पू का न करें इस्तेमाल

अल्कोहल युक्त हेयर केयर प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल न करें। इससे बालों की नमी जाने लगती है। शैम्पू, कंडिशनर से लेकर हेयर स्टाइलिंग प्रॉडक्ट्स तक में अल्कोहल मुक्त का लेबल देखकर ही प्रॉडक्ट्स खरीदें। क्योंकि अल्कोहल युक्त प्रॉडक्ट्स के नियमित इस्तेमाल से बाल रूखे और बेजान होने लगते हैं और इस वजह से बाल उलझने लगते है और गांठे बन जाती है। बालों को खुला छोड़कर सोने पर बाल खुले रखकर सोने से वे उलझ जाते है। इसलिए ढीली-ढाली चोटी बनाकर सोएं और यदि आप सहज न हों, तो शुरुआत करने के लिए ढीली पोनी बना सकती हैं। बालों की सही तरह से करें कंघी कई बार सुबह जल्दबाज़ी में हम बालों को कंघी करना भूल जाते हैं। बालों में हाथ फिराकर बाल तो थोड़े-बहुत सेट हो जाएंगे, लेकिन कंघी न करने पर बालों की सेहत ज़रूर बिगड़ जाएगी। लंबे समय तक कंघी न करने पर बालों में गांठ भी पड़ जाती है। दिन में कम से कम दो बार कंघी ज़रूर करें। इससे बाल जल्दी उलझेंगे नहीं। चौड़े दांतोंवाली कंघी का इस्तेमाल करें, ताकि बाल कम से कम टूटें। रात को कंघी करे बिना सोने से भी बाल उलझ सकते हैं। इसलिए रात को सोने से पहले उन्हें सुलझाना न भूलें।

बालों को सही तरीके से सुखाएं

कुछ लोग बाल धोने के बाद उन्हें तेजी से रगड़ते हैं या झाड़ते हैं। यह बहुत गलत तरीका है। इससे बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। शैम्पू करने के बाद बालों को तौलिया से बहुत आराम से पौंछे इसके लिए किसी पतले कपड़े का इस्तेमाल करें। बालों को तौलिए से ज्यादा कस कर न बांधें। धूप में बैठकर या कूलर के सामने बाल सुखाना भी बालों को नुकसान पहुंचाता है। इससे न केवल बाल उलझते हैं, बल्कि कमजोर होकर टूटने भी लगते हैं।

नीम हकीम से बच कर रहे

एक स्वस्थ व्यक्ति के जीवन का आधार होता है-संतुष्ट सेक्स जीवन। लेकिन, पश्चिमी देशों के विपरीत हमारा समाज हमें प्यार को खुले तौर पर करने की इजाजत नहीं देता। सेक्स वह कला है जिसका वर्णन हमारे पूर्वजों द्वारा कई शतकों पहले कामसूत्र में भी किया जा चुका है। इससे जुड़े कई मिथ्य और भ्रांतियों ने इसे एक रुकावट बना दिया है। हालांकि शहरों मे यह चित्र तेजी से बदल रहा है। लेकिन, देश के अधिकतर भागों में ज्ञान की कमी और जानकारी के अभाव में लाखों लोग एक असंतुष्ट सेक्स जीवन जीने के लिए मजबूर हैं।

नई दिल्ली स्थित अशोक क्लिनीक रिसर्च सेंटर के विशेषज्ञ डॉ. अशोक गुप्ता के अनुसार आज भी, नपुंसकता एक ऐसा विकार है जिसे पुरुषों में सबसे अधिक खराब और हीन माना जाता है। इसके लिए दो तत्व बहुत जिम्मेदार होते हैं। पहला, ज्ञान की कमी, अंधविश्वास, अपराधबोध आदि से लोग सेक्स जीवन में नाकामयाब होते हैं। दूसरा, झूठे झांसे और ऐसे ठग व झोलाछाप डाक्टर, जो ऐसे मरीजों को धोखा देकर उनके जीवन को खतरे में डाल सकते हैं। ऐसे झांसे और झूठे दावा करने वाले सेक्सोलोजिस्ट मरीज की नासमझी का फायदा उठाते हुए उन्हें इस बात के लिए मजबूर कर देते हैं कि वे अपनी इस समस्या जैसे इरेक्टाइल डाइसफंक्शन को छिपा कर रखें और किसी से भी इसका जिक्र न करें।

अधिकतर एंड्रोलोजिस्ट के मुताबिक नपुंसकता या इरेक्टाइल डाइसफंक्शन एक आम विकार है। कहा जाता है कि लगभग दस प्रतिशत पुरुष इससे पीड़ित हैं। 40 की उम्र के लगभग 52 प्रतिशत लोग इसका शिकार होते हैं। आज भी शर्म और नासमझी के कारण केवल कुछ ही मरीज इलाज के लिए आगे आते हैं और अधिकतर लोग डाक्टर के बजाय किसी ठग या ढोंगी के पास जाना ज्यादा उचित समझते हैं। दरअसल, किसी भी पुरुष का अहम उसे इस बात को जगजाहिर करने की इजाजत नहीं देता जिससे उसके पौरुष पर कोई सवाल उठे। डा. गुप्ता, जिन्होंने हजारों मरीजों को इस समस्या से छुटकारा दिलाया है का कहना है कि यह बहुत ही दुर्भाग्यवश है क्यों कि अगर मरीज समय रहते प्रशिक्षित और अनुभवी डाक्टर के पास चले जाएं तो अधिकतर केसों में नपुंसकता का उपचार किया जा सकता है । अगर सेक्स से संबंधित मिथ्य और नासमझी की बात की जाए तो अशोक क्लीनिक के संस्थापक डा. अशोक गुप्ता के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में किए गए एंड्रोलोजिकल शोधों से यह पता चलता है कि मात्र व्यायाम और ऐरोबिक्स की मदद से भी कई मरीज अपना खोया हुआ पौरुष प्राप्त कर सकते हैं और शादीशुदा जीवन का आनंद उठाने के बीच में छोटी-मोटी रुकावटों को भी दूर कर सकते हैं। जबकि ठग, ढ़ोंगियों और झोलाछाप डाक्टरों को तो सबसे आखिरी विकल्प मानकर चलना चाहिए। एक नासमझ और शर्मीला व्यक्ति, जो कि ऐसे ढ़ोंगियों और झोलाछाप डाक्टरों के पास अपनी समस्या को लेकर जाता है, उसे यही विश्वास दिलाया जाता है कि नपुंसकता की वजह साइकोलोजिकल समस्या ही है जबकि 80 से 90 प्रतिशत केसों में क्रोनिक नपुंसकता दिमाग की नहीं बल्कि शारीरिक समस्या की वजह से होता है। डा.अशोक गुप्ता के मुताबिक ऐसा इसलिए भी होता है क्यों कि थोक के भाव में उपलब्ध ठगी और ढ़ोंगियों से अपनी समस्या का खुलासा करना ऐसे मरीजों को अधिक उपयुक्त और विकल्प दिखता है।

1998 में एसोसिएशन आफ मेडिकल कंसल्टेंट के द्वारा किए गए एक शोध से पता चलता है कि भारत में लगभग 1.5 मिलियन ठग और झोलाछाप डाक्टर हैं और मुंबई में लगभग 10,000 झोलाछाप डाक्टरों का बसेरा है। पिछले एक दशक से, यह आंकड़े 2.5 मिलियन को पार कर चुके हैं और शायद यह कहना गलत नहीं होगा कि इनमें 80 प्रतिशत ठग सेक्स समस्याओं से संबंधित हैं। इन रपटों में सबसे रोमांचक बात जो सामने आई है वह यह है कि उस समय महराराष्ट्र में 95,000 झोलाछाप डाक्टर थे और केवल 90,000 पंजीकृत डाक्टर। आई एम ए द्वारा किए गए शोध में यह भी पता चला कि हमारे देश में डाक्टरों से अधिक आंकड़े झोलाछाप डाक्टरों के हैं। अगर, गलती से एक झोलाछाप डाक्टर किसी भी कारण चाहे निदान या गलत उपचार के चलते एक वर्ष में एक मरीज को भी मारता है तो एक साल में लगभग 95,000 मर्डर होते हैं।

डा.अशोक गुप्ता का कहना है कि हालांकि इरेक्टाइल डाइसफंक्शन 13 वर्ष से लेकर 90 की उम्र में कभी भी हो सकता है और इसके कई कारण भी हो सकते हैं जैसे-मधुमेह, हाईपरटेंशन, हार्ट डिसीज, रेनल फेल्योर, न्यूरोलोजिकल डिसओर्डर, चोट, दवाएं आदि। लेकिन, इसके आधारभूत कारण कुछ ही होते हैं। युवाओं और कॉलेज जाने वाले छात्रों में इस समस्या के होने का अधिकतर कारण होता है-चोट लगना, जो कि पेनिस तक जाने वाली धमनियों को अवरुद्ध कर देता है। किसी दुर्घटना आदि के बाद चोट गंभीर या तेज हो सकती है, जो कि पेल्विस की हड्डियों में फ्रेक्चर भी कर सकती है। कई केसों में बचपन में लगी चोट जवानी में आकर इस बीमारी का न्योता दे देती है। जो लोग नपुंसकता को दिमाग की बीमारी समझते हैं उन लोगों के लिए काउंसलिंग और सेक्स थैरेपी कारगर हो सकती है।

साइकोलोजिकल तत्व और सेक्सुअल अज्ञानता के चलते छोटी-मोटी समस्याओं का छुटकारा कोई भी प्रशिक्षित काउंसलर कर सकता है। पॉलिसी बनाने वाले भी इन ढ़ोंगी सेक्सोलोजिस्ट की लोकप्रियता से चिंतित होते हैं क्यों कि सरकारी हास्पिटलों में बढ़िया से बढ़िया सुविधा देने के बाद भी लोग इन झोलाछाप डाक्टरों के झांसे में आ जाते हैं। डा.अशोक गुप्ता के अनुसार, ऐसे मरीज सरकारी हास्पिटलों में जाने की बजाय ठग अप्रशिक्षित या झोलाछाप डाक्टरों के पास जाने में ज्यादा सहूलियत महसूस करते हैं। डा.अशोक गुप्ता के मुताबिक लोगों को और सरकार को इस बीमारी के प्रति अधिक जागरुक होना पड़ेगा। जिस तरह से एड्स, एचआईवी, कांडम आदि के प्रति लोगों में इतनी जानकारी पैदा की जा रही है ठीक उसी तरह इस समस्या को भी खुले तौर पर लाना पड़ेगा और लोगों में जानकारी और जागरुकता पैदा करनी पड़ेगी।

भुतहा शहर से जाने जाता है

धनुषकोटि

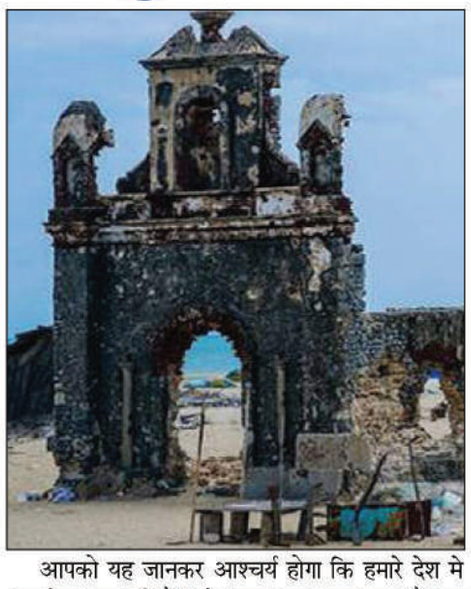

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि हमारे देश मे एक ऐसा शहर भी है जिसे भुतहा शहर कहा जाता है। यह शहर जिसे भुतहा कहा जाता है वहां कभी समृद्ध धार्मिक नगर था और जीवित संस्कृति सांस लेती थी। आइए आप भी जानिए हमारे साथ-साथ इसके भुतहा होने की कहानी को। रामेश्वरम से रामसेतु की और जाते समय ऑटोरिक्शा वाले ने कुछ खंडहरों की ओर इशारा कर बताया कि साहब ये जो खंडहर नज़र आ रहे है यहां कभी एक बड़ा अच्छा आबाद नगर था। इसे अब भुतहा शहर कहा जाता है। उसके ऐसा कहने से जिज्ञासा उत्पन्न हुई और हमने ऑटो रुकवा लिया। समुद्र के किनारे रेत पर नज़र आरहे खंडहर भवनों की ओर चल पड़े। चर्च, डिस्पेंसरी, स्कूल और कुछ अन्य भवनों के अवशेष हमारे सामने खंडहर के रूप में थे। हम जैसे ही कुछ और सैलानी भी इन्हें निहार रहे थे। कैसे होंगे ये भवन इस बारे में सभी अपने-अपने अनुमान लगा रहे थे। इनके भव्य होने की कल्पना कर रहे थे और इसकी यादों को फ़ोटो और सेल्फी लेकर अपने पास संजो रहे थे। इस से पहले समुद्री उत्तपाद शंख, सीप, मोती, मनके और इनसे बने सजावटी समान बेचने की कुछ कच्ची दुकाने सजी थी।

वहीं एक स्थानीय मछुआरे ने दूर इशारा कर बताया वहां एक रेलवे स्टेशन था। हमने जाकर देखा तो अब वहां मात्र स्टेशन भवन के खंडहर के अवशेष रहगये थे। इस क्षेत्र में आज कुछ मछुआरे रहते हैं जो समुंद्र से मछली पकड़ कर उनसे अपनी आजीविका चलते है। कुछ मछुआरे रामेश्वरम से सुबह आते हैं और शाम होते होते वापस लौट जाते हैं। जहां नज़र जाती थी समुंद्र ही समुंद्र था। बताते हैं कि अंग्रेजों के समय धनुषकोटि बड़ा नगर था और रामेश्वरम एक छोटा सा गांव था। उस समय यहां से श्रीलंका के लिए नौकायें चलती थी और किसी प्रकार पासपोर्ट की जरूरत नहीं होती थी। थलाईमन्नार-श्रीलंका जाने के लिए नाव का किराया 18 रुपये था। इसी के माध्यम से व्यापारिक लेनदेन भी होता था। वर्ष 1897 में जब स्वामी विवेकानंद अमेरिका से लंका मार्ग से भारत आये तो वे धनुषकोटि भूमि पर उतरे थे। वर्ष 1964 में यह एक विख्यात पर्यटक स्थल और तीर्थस्थल था। श्रद्धालुओं के लिए यहां होटल, धर्मशालाएं, कपडो की दुकाने थीं। उस समय यहां चेन्नई से धनुषकोटि के मध्य मद्रास ऐग्मोर से बोट मेल नामक रेल सेवा संचालित होती थी। आगे श्रीलंका को फेरी बोट से जमे के लिए यह रेल सेवा उपयुक्त थी। धनुषकोटि में जलयान निर्माण केंद्र, रेलवे स्टेशन, छोटा रेलवे चिकित्सालय, पोस्ट आफिस एवं मछलीपालन जैसे सरकारी कार्यालय भी थे। धनुषकोटि जैसे समृद्ध शहर के लिए 22 दिसंबर 1964 की रात दुर्भाग्य लेकर आई जब एक भयानक समुद्री तूफान में यह नगर पूर्णतः बर्बाद हो गया। पम्बन-धनुषकोटि पैसेंजर रेल जिस में 5 कर्मचारी और 110 यात्री सवार थे प्रचंड तूफान की तरंगों की भेंट चढ़ गई। धनुषकोटि से कुछ पहने पूरी रेलगाड़ी बह गई और पूरा रेल मार्ग नष्ट हो गया। करीब 270 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आये चक्रवात से पूरा शहर खत्म हो गया। यह चक्रवात आगे रामेश्वरम तक गया उस समय भी 8 फुटट ऊँची तरंगे थी। इस परिक्षेत्र के करीब एक सहस्त्र से अधिक व्यक्ति काल के गाल में समा गए। कुछ लोग मारने वालों की संख्या पांच सहस्त्र बताते हैं। धनुषकोटि में सब कुछ खत्म होकर कुछ खंडहर रह गये। केवल एक व्यक्ति जिसका नाम कालियामन था बच गया जिसने समुद्र में तैर कर अपने प्राण बचाये। सरकार ने पास के गांव का नाम उसके नाम पर निचल कालियामन रख कर उसका गौरव बढ़ाया। धनुषकोटि बस स्टैंड के खंडहर के समीप मारने वालों की याद में एक स्मारक बनाया गया है। उस पर लिखा है-उच्च वेग से बहने वाली हवा के साथ उच्च गति के चक्रवात ने धनुषकोटि को 22 दिसंबर 1964 की आधी रात से 25 दिसंबर 1964 की शाम तक तहस नहस कर दिया, जिससे भारी नुकसान हुआ और धनुषकोटि का पूरा शहर बर्बाद हो गया!

आधुनिकता की भेंट चढ़ गए मिट्टी के घर

मिट्टी में ही जन्में है और मिट्टी में ही वापस समाना है। तो फिर जीवन बिताने के लिए मिट्टी के घर से परहेज क्यों? सुख से जीना है तो एक अदद मिट्टी के घर का सपना देखे, संगमरमर के ताजमहल का नहीं और फिर यह बात भी अपने दिलो-दिमाग से निकाल दें कि मिट्टी या मिट्टी का घर कहते ही आपको गरीब या गरीबी का मारा समझ लिया जाएगा बल्कि मिट्टी का सच समझिए और सुखी रहिए....

सदियों से मिट्टी के घर बनाने की जो परंपरा रही है वह कोई यूं ही नहीं चली आ रही। बल्कि आज भी यह परंपरा बखूबी जिंदा है तो सिर्फ इसलिए कि यह सस्ती सुलभ, टिकाऊ और अच्छी तरह आजमाई हुई सफल परंपरा है। रही बात इसके टिकाऊपन की सीमा की तो वह तो किसी भी पदार्थ से बने घर की अपनी एक आयु होती है और इसके बाद उसका क्षय होना निश्चित है और फिर क्षय होकर इसे अंततःमिट्टी ही तो बनना है। दुनिया में सबसे ज्यादा घर मिट्टी से बने हैं। लेकिन सबसे अधिक उपेक्षित मिट्टी ही मानी जाती है। खासकर मकान बनाने हो तो कभी कोई व्यक्ति मिट्टी के घर बनाने की बात नहीं सोचता। हरेक के जेहन में तुरंत उभरता है पक्के घर के रूप में सीमेंट, कंक्रीट से बना टाइल्स, मोजैक और संगमरमर लगा घर। जबकि इन सामग्रियों से बने घर हमेशा ही महंगे साबित हुए हैं। कई हाथों की जरूरत भी पड़ती है और फिर सीमेंट बनाने में पक्की ईंटें बनाने में पर्यावरण कितना प्रदूषित होता है। इस तथ्य को भी नजर अंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

सच्चाई तो यही है कि आज भी विश्व भर के आधे से ज्यादा आबादी मिट्टी के घरों में ही रहती है। भले ही मिट्टी के घर बनाने की निर्माण प्रक्रियाएं विभिन्न हो। अंदाजन भी देंखे तो पाएंगे कि 25 मिलियन परिवारों के पास रहने को घर नहीं है जबकि विश्व के विकासशील देशों में अर्धाधिक आबादी के पास मिट्टी के घर बनाने की सोचना हीं समझदारी नहीं कहलाएगी? जरूरत है सिर्फ सच्चाई जानने की और इस पर नये सिरे से सोचने की। भारत के ही संदर्भ में देखे तो लोग किसी चुम्बकीय आकर्षण से खिंचे चले जाते हैं। शहर की ओर। किसी अदृश्य बांसुरी की मंत्रमुग्ध कर देने वाली धुन ही मानों गांवों और कस्बों के लोगों को शहर की ओर जाने को सम्मोहित कर देती है। जबकि यहां आकर उनको झुग्गी-झोपड़ियों वाले सर्वथा असुविधाओं भरे अस्वास्थ्यकर वातावरण में रहना भी पड़ता है और वहीं काम भी करना पड़ता है। फिलहाल भारत में 290 मिलियन लोग शहरों और महानगरों में रहते हैं। 1991 में महानगरों की संख्या 23 थीं जो 2001 तक बढ़कर 40 हो गई है और 2025 तक तो यह भीड़ शहरी आबादी को खचाखच भर डालेगी। इनके अलावा कोई 580,760 गांवों में तकरीबन 629 मिलियन लोग रहते हैं। यानी औसतन हिसाब लगायें तो प्रति गांव 1,083 की आबादी। अब हरेक को एक अदद छत तो चाहिए ही। कम लागते वाले घर की ही तलाश ज्यादातर लोगों को रहती है। मोटे तौर पर देखा जाए तो 2021 तक शहरों में तकरीबन 77 मिलियन घरों और ग्रामीण इलाकों में 63 मिलियन घरों के निर्माण की आवश्यकता होगी। अब योजना आयोग के इन आंकड़ों के हिसाब से देखें तो क्या इतनी ज्यादा संख्या में सीमेंट पक्की ईंटों और इस्पता का उपयोग करके घर बनाना संभव है। इसलिए बेहतर यही है कि हम अपने मन-मस्तिष्क में यह सत्य बिठा लें कि मिट्टी का मोल और महत्व समझना ही बेहतर है। चाहे सुनने में यह बात पुराने फैशन जैसी ही क्यों न लगती हो। बात आसानी से हजम नहीं होती हो तब फिर इस तरह सोचें कि घर या इमारतें बनाने में यह जो लोहा, इस्पात, शीला, एल्युमिनियम, सीमेंट, संगमरमर, पक्की ईंटें वगैरह का इस्तेमाल किया जाता है। उन सबकी उपलब्धता के दौरान पर्यावरण में कितनी अधिक मात्रा में प्रदूषण फैलता है और इनके लिए कितनी ज्यादा ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है।

इसके अलावा जीवन के लिए सबसे पहली जरूरत समझे जाने वाले हवा और पानी में कितना जहर घुलता है। इनके विपरीत जिन भवन निर्माण सामग्रियों में अपेक्षाकृत कम ऊर्जा की खपत होती है वे पर्यावरण में भी कम ही प्रदूषण फैलाते हैं। मिट्टी एक ऐसी ही प्राकृतिक निर्माण सामग्री है। अब अगर मिट्टी की विशेषता जानना चाहे तो इसकी उपलब्धता से ही शुरूआत की जा सकती है। 250 वर्ग मीटर की जमीन पर 25 वर्गमीटर क्षेत्रफल वाला मकान तैयार करना है तो 60 क्युबिक मीटर मिट्टी की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए बेंसमेंट एरिया छोड़कर 01266 मीटर (यानी साढ़े दस इंच) गहराई तक खोदकर निकाली गई मिट्टी पर्याप्त होगी। (दीवारें खड़ी करने के लिए)। सवाल यह उठ सकता है कि अगर इतने ही गुण है मिट्टी में तो फिर इससे मकान बनाना बंद क्यों हो गया? इस सवाल के जबाव में केरल की मशहूर हस्ती लॉरी बेकर का कहना है कि दरअसल जब से हमने अपना घर खुद बनाने के बजाए दूसरे लोगों पर इसकी जिम्मेदारी डाल दी तब से यह प्रथा गड़बड़ा गई। लॉरी बेकर कुशल मृतिका शिल्पी माने गए हैं। उनका यह भी कहना है कि भारत में हमारी मानसिकता ही ऐसी सनक का शिकार हो गई है कि मिट्टी यानी गरीब और गरीबी। सबसे पहले इस गलत धारणा को दूर करना चाहिए।

उनका मानना है कि एक मध्यम श्रेणी का ईंटों वाला साधारण सा घर बनाने के लिए मात्र दो या तीन बड़े पेड़ों को काटकर इसके जलावन से आवश्यक संख्या में ईंटे पकाई जा सकती है। आस्ट्रेलिया जाकर देखें कि मिट्टी से ही कैसे-कैसे कलात्मक और फैशनेबल घर बनाये गए हैं। उन्हें देखकर एक बारगी यह पता करना भी मुश्किल होता है कि ये मिट्टी से बने घर होंगे। तो दिलोदिमाग से यह फितूर निकाल दें कि मिट्टी का घर कच्चा होता है या पुराने फैशन का होता है। मिट्टी सस्ती, सुलभ और टिकाऊं भवन निर्माण सामग्री है और आप इससे नए और आधुनिक शैली के मकान भी बना सकते हैं। जो अब भी मिट्टी का लोहा मानने की कसर बाकी रह गई हो तो एक नजर इन तथ्यों पर डाल लीजिए जो संभवतःआपका रहा-सहा शक भी दूर कर दें। दरअसल ये कुछ ऐसी मिसालें हैं जो मिट्टी की मजबूती साबित करती है। इग्लैंड के डेवॉन कंट्री में आज भी 40 हजार मिट्टी की बनी कुटियाएं मौजूद हैं और इनमें से कई कुटिया 500 साल पुरानी है। चूने से लिपी-पुती इन कुटियाओं पर फूस के छप्पर पड़े हुए हैं।

जेरिको में आपको धूप में सुखाई गई ईंटों से इमारतें देखने को मिलेगी। ये भी ईसा पूर्व आंठवीं सहस्राब्दी की बनी हुई इमारतें हैं। आग जलाकर ईंटों को सुखाने अथवा पक्की बनाने का चलन तीसरी सहस्राब्दी तक भी नहीं था, क्योंकि ईंधन जलाकर ईंटे सुखाना खर्चीला समझा जाता था। मिट्टी की बनी विश्व की सबसे बड़ी मस्जिद माली में है जो 1907 में बनाई गई थी। चीन की दीवार का भी अधिकांश हिस्सा मिट्टी से बना हुआ है। उत्तर-पश्चिम न्यू मैक्सिको में 16 मील से बना चाको केन्यन-नॅशनल मॉन्युमेंट भी 500 एड़ी पुराना है और कच्ची ईंटों तथा पत्थरों का बना है। इनमें से अनासाजी इंडियन आदिवासी रहा करते थे और निर्माण कला की खासियत यह थी कि पूरे कबीले के रहने लायक संरचना तैयार की जाती थी वस्तुतः एक सतत् लंबाई में बना आवास रहता था। टीपू सुल्तान का बंगलौर स्थित किला अपना कलात्मक दीवारों, प्रवेश द्वारों और मेहराबों के लिए सुविख्यात है। यह मूलतः केम्पेमोड़ा में 1573 में बनाया गया था और पूरी तरह से मिट्टी से बने इस किले को बाद में टीपू सुल्तान ने पत्थरों से सुरक्षित करवाया था। हालांकि इस किले का बहुत सा हिस्सा ब्रिटिशों के द्वारा बर्बाद कर दिया गया है।

खबर संक्षेप

गोदरेज प्रॉपर्टीज 15,000 करोड़ रु. के भूखंड खरीदेगी

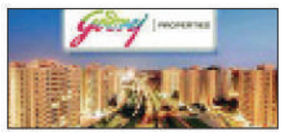

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज घरों की मजबूत मांग का लाभ उठाते हुए चालू वित्त वर्ष में कई जमीन के टुकड़े खरीदेगी। कंपनी को इन भूखंडों पर तैयार परियोजनाओं से लगभग 15,000 करोड़ रुपये का बिक्री राजस्व मिलने की उम्मीद है। 32,000 करोड़ रुपये के बिक्री लक्ष्य के साथ 18 नए भूखंड खरीदे थे।

वित्त कंपनियां पूर्व चेतावनी संकेत प्रणाली अपनाए

नई दिल्ली। नेशनल हाउसिंग बैंक (एनएचबी) ने 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति वाली आवास वित्त कंपनियों से पूर्व चेतावनी संकेत प्रणाली अपनाने को कहा है। धोखाधड़ी के मामलों के विश्लेषण से पता चला है कि ज्यादातर मामलों में ऐसा दूसरों की बिक्री को गलत तरीके से अपना दिखाकर, फर्जी आय या रोजगार के दस्तावेज देकर, फर्जी संपत्ति के दस्तावेज देकर हुआ।

रुपे डेबिट कार्ड की वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ाने गठजोड़

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) रुपे डेबिट कार्ड की वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए और गठजोड़ करने के लिए प्रयास कर रहा है। रुपे कार्ड इस समय डिस्कवर ऑफ द यूएस, डाइनर्स क्लब, जेसीबी ऑफ जापान, पल्स और यूनियन पे ऑफ चाइना समर्थित बिक्री मशीनों पर स्वीकार किए जाते हैं।

दो अरब डॉलर घट सकता है ऊर्जा आयात बिल

नई दिल्ली। भारत अगर देश में कोल बेड मीथेन (सीबीएम) के कुल भंडारण के 10 प्रतिशत का भी उपयोग करता है, तो देश का कुल ऊर्जा आयात बिल दो अरब डॉलर तक कम हो सकता है। देश में इस समय सीबीएम का अनुमानित 2,600 अरब घनमीटर का भंडार है। भारत के रिकॉर्ड स्तर के कोयला उत्पादन को देखते हुए इसे और बढ़ाने की योजना है।

पूंजीकरण में सबसे अधिक लाभ में रिलायंस व यूनिलीवर

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1,26,579.48 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज और हिंदुस्तान यूनिलीवर लि. रहीं। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 973.61 अंक या 1.59 प्रतिशत के लाभ में रहा।

एफपीआई ने बाजार में डाले 23,152 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजारों में दिलचस्पी दिखाते हुए 23,152 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में और वृद्धि की गुंजाइश घटने, मजबूत वृहद आर्थिक परिदृश्य और कंपनियों के तिमाही नतीजे बेहतर रहने के बीच विदेशी निवेशकों का भारतीय शेयर बाजार की तरफ आकर्षण बढ़ा है। एफपीआई 2023 में 8,572 करोड़ रुपये के साथ शुद्ध लिवाल बन गए हैं।

चीन में अधिक गाड़ियों की बिक्री बनी मुसीबत, रियल टाइम उत्सर्जन टेस्ट जरूरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

चीन दुनिया का सबसे बड़ा वाहन बाजार है। इसके साथ ईवी में भी इस देश ने ये तमगा हासिल कर लिया है। अधिक संख्या में वाहनों का उपयोग होने के कारण चीन में प्रदूषण भी एक बड़ी समस्या बन गई है, जिस पर नकेल कसने के लिए चीनी सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है और एक नया नियम बनाया है।

- वाहनों के लिए रियल टाइम उत्सर्जन टेस्ट हुआ जरूरी

चीन की इकोलॉजी और एनवायरनमेंट मिनिस्ट्री की ओर से लिए गए निर्णय के मुताबिक, अब वाहनों के लिए रियल टाइम उत्सर्जन टेस्ट को जरूरी कर दिया गया है, जब वास्तविकता में वाहन को चलाया जा रहा हो। वहीं, चीन ने उन वाहनों की बिक्री, आयात और मैन्यूफैक्चरिंग पर रोक लगाने का फैसला किया है, जो कि नेशनल सिक्स बी उत्सर्जन मानकों को पूरा नहीं करते हैं।

चीनी सरकार ने प्रदूषण पर नकेल कसने लिया बड़ा फैसला

वाहन निर्माताओं पर पड़ेगा दबाव

फिच रेटिंग की ओर से मार्च में इसे लेकर कहा गया था कि उत्सर्जन मानकों को कड़ा करने से वाहन निर्माताओं और डीलर पर दबाव पड़ेगा, जिस कारण आने वाले समय में हमें नेशनल सिक्स बी उत्सर्जन मानकों को न पूरा करने वाले वाहनों पर काफी अधिक डिस्काउंट देखने को मिल सकता है।

छह हफ्ते का दिया समय

चीनी मंत्रालय की ओर से उन वाहनों की बिक्री के लिए छह हफ्ते का समय दिया गया है, जो कि नेशनल सिक्स बी उत्सर्जन मानकों को पूरा नहीं करते हैं। सरकार ने वाहन चालकों से प्रदूषण के प्रति अब ज्यादा सकर्तता बरने कहा है।

वाहन बेचने के लिए ग्रेस पीरियड दिया जाएगा

रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, नए उत्सर्जन मानकों को न पूरा करने वाले वाहनों को बेचने के लिए ग्रेस पीरियड दिया गया है। मार्च के अंत तक चीन में नेशनल वीआई बी उत्सर्जन मानकों को न पूरा करने वाले करीब 20 लाख से अधिक वाहन थे। चीन में इस ग्रेस पीरियड के बढ़ने की संभावना काफी कम है। जैसा कि पिछले समय में देखा गया था।

कंपनी की इक्विटी शेयर बेचने की योजना

अदाणी ट्रांसमिशन को बोर्ड ने दी बाजार से एक अरब डॉलर जुटाने की मंजूरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अदाणी समूह की ट्रांसमिशन कंपनी को इसके बोर्ड ने बाजार से एक अरब डॉलर (85 अरब रुपए) जुटाने की मंजूरी दी है। इस संबंध में कंपनी ने शनिवार को कहा, अदाणी ट्रांसमिशन योग्य संस्थागत क्रेताओं (क्यूआईबी) व दूसरे मान्य तरीकों से इक्विटी शेयर बेचकर धन जुटाने की योजना बना रहा है।

इसके साथ ही कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लि. और इसकी नवीकरणीय-ऊर्जा शाखा अदाणी ग्रीन एनर्जी लि. को भी धन जुटाने के प्रस्तावों पर विचार करने के लिए शनिवार को बोर्ड की बैठक आयोजित करनी थी, लेकिन ये बैठकें फिलहाल 24 मई तक स्थगित कर दी गई हैं।

तीनों कंपनियों के जरिए जुटाई जाएगी राशि

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक तीनों कंपनियों के जरिए अदाणी समूह कुल 5 अरब डॉलर जुटाना चाहता है। जनवरी में अदाणी समूह के खिलाफ अमेरिकी शॉर्ट सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग ने कई तरह के आरोप लगाए थे, जिसके बाद समूह की तमाम कंपनियों के शेयरों के मूल्यों में भारी गिरावट आई थी। अदाणी समूह ने हिंडनबर्ग के सभी आरोपों को खारिज कर मुकदमा दायर करने की चेतावनी दी थी। फिलहाल, इस मामले में जहां बाजार नियामक सेबी जांच कर रहा है, वहीं सुप्रीम कोर्ट ने भी एक विशेषज्ञ समूह को जांच का आदेश दिया है।

एससीआई इंडेक्स से बाहर आएंगी दो कंपनियां

एमएससीआई इंडिया इंडेक्स से अदाणी ग्रुप की दो कंपनियां बाहर आने वाली हैं। एमएससीआई ने कहा था कि अदाणी ग्रुप की दो कंपनियां अदाणी टोटल गैस और अदाणी ट्रांसमिशन 31 मई को एमएससीआई इंडिया इंडेक्स छोड़ देंगी। इससे इन कंपनियों से बड़ी निकासी होनी की आशंका है।

मॉरिशस से मिली राहत

इस सबके बीच अदाणी समूह के लिए मॉरिशस से अच्छी खबर यह आई कि वहां के वित्त मंत्री महेन कुमार सीरुत्तन ने अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की तरफ से लगाए आरोपों को खारिज कर दिया। जनवरी में हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया था कि अदाणी समूह की मॉरिशस में 38 शेल कंपनियां है, जिनका नियंत्रण गौतम अदाणी के भाई विनोद अदाणी के हाथों में है।

- क्यूआईबी व अन्य तरीके से धन जुटाएगी
- बोर्ड की बैठक शनिवार को प्रायोजित थी
- फिलहाल बैठक 24 मई तक स्थगित की गई
- हिंडनबर्ग के आरोप के बाद शेयरों में आई थी गिरावट

तीनों कंपनियां एएसएम से हटाई गई

अडाणी ग्रुप की तीन कंपनियों के शेयरों को एडिशनल सर्विलांस मैसर्स (एएसएम) से हटा दिया जाएगा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने यह घोषणा की। जिन 3 अडानी शेयरों को एएसएम से हटाया जाएगा, वे अदानी टोटल गैस लिमिटेड , अदानी ट्रांसमिशन लिमिटेड और अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड हैं। इन तीनों शेयरों को 15 मई से एएसएम से हटा दिया जाएगा। बीएसई-एनएसई ने अदाणी टोटल गैस और अदाणी ट्रांसमिशन को 24 मार्च को एएसएम फ्रेमवर्क की दूसरी स्टेज से पहली स्टेज में ट्रांसफर किया था।

शेयरों में गिरावट

अदाणी टोटल गैस का शेयर शुक्रवार को 4.33 फीसदी या 37 रुपए की गिरावट के साथ 818.35 रुपए पर बंद हुआ था। वहीं, अदाणी ट्रांसमिशन का शेयर 3.49 फीसदी या 32 रुपए गिरकर 885 रुपए पर बंद हुआ। इसके अलावा, अदाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर 1.94 फीसदी या 17.75 रुपए गिरकर 895.95 रुपए पर बंद हुआ था।

सरकार एलायंस एयर में 300 करोड़ रुपए करेगी निवेश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आर्थिक संकट का सामना कर रही क्षेत्रीय उड़ान कंपनी एलायंस एयर में सरकार 300 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। केंद्रीय नागरिक विमानन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पूर्व में एयर इंडिया का हिस्सा रही एलायंस एयर का स्वामित्व अब एआई एसेट्स होल्डिंग्स लिमिटेड के पास है। यह केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई विशेष उद्देश्यीय कंपनी है। एलायंस एयर प्रतिदिन लगभग 130 उड़ानें संचालित करती है। हाल के महीनों में एयरलाइन के पायलटों ने कोविड महामारी से पहले के वेतन और भत्तों का भुगतान नहीं करने सहित अन्य मुद्दों को लेकर कई बार प्रदर्शन किए हैं।अधिकारी ने बताया कि वित्त मंत्रालय ने एलायंस एयर में 300 करोड़ रुपये का निवेश करने को मंजूरी दे दी है। एलायंस एयर ब्रांड के तहत उड़ानें एयरलाइन एलाइड सर्विसेज द्वारा संचालित की जाती हैं, जिसने अपना नाम बदलकर एलायंस एयर एविएशन लिमिटेड कर दिया है।

- क्षेत्रीय कंपनी आर्थिक संकट का सामना कर रही
- एयरलाइंस प्रति दिन 130 उड़ाने संचालित करती है

भारतीय विमानन बाजार 'तेजी से बढ़ रहा'

- इंडिगो के साथ कोडशेयर रूट बढ़ाने का आरोप

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

यूरोप की प्रमुख एयरलाइन एयर फ्रांस-केएलएम ने कहा है कि भारतीय विमानन बाजार 'तेजी से बढ़ रहा है।' साथ ही कंपनी ने इंडिगो के साथ रूट और क्षमता के साथ ही कोडशेयर रूट को बढ़ाने की इच्छा जताई है।

एयर फ्रांस-केएलएम ने 2022 की तुलना में अपनी सीट क्षमता में 22 प्रतिशत की वृद्धि की है। कंपनी चार भारतीय शहरों - दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई को जोड़ने वाली 46 साप्ताहिक उड़ानें संचालित करती है। कंपनी का 30 से अधिक शहरों के लिए देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो के साथ एक कोडशेयर समझौता भी है। एयर फ्रांस-केएलएम के भारतीय उपमहाद्वीप के महाप्रबंधक क्लॉड सर्रे ने कहा, 'हम क्षमता, मार्ग बढ़ाना चाहते हैं... हम इंडिगो के साथ विस्तार करना चाहते हैं... हमारी महत्वाकांक्षा अधिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की है।' उन्होंने कहा कि इस संबंध में योजनाओं पर चर्चा चल रही है।

भारत दुनिया के सबसे तेज विमानन क्षेत्र में

कोडशेयरिंग के जरिए एक एयरलाइन अपने यात्रियों को उन गंतव्यों की यात्रा की सुविधा देती है, जहां उसकी उपस्थिति नहीं है। ऐसा सहयोगी एयरलाइंस के साथ गठजोड़ के जरिए किया जाता है। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में से एक है और एयर फ्रांस-केएलएम समूह को 2022 में भारतीय मार्गों पर लगभग दस लाख यात्री मिले।

नीदरलैंड, भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बना

नई दिल्ली। नीदरलैंड बीते वित्त वर्ष (2022-23) में अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बाद भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बनकर उभरा है। भारत इन देशों में पेट्रोलियम उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं, रसायन और एल्युमिनियम के सामान का निर्यात करता है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। भारत का नीदरलैंड से व्यापार अधिशेष 2021-22 के आठ अरब डॉलर से बढ़कर 2022-23 में 13 अरब डॉलर हो गया है। आंकड़ों से पता चलता है कि भारत से निर्यात के मामले में नीदरलैंड ने ब्रिटेन, हांगकांग, बांग्लादेश और जर्मनी को पीछे छोड़ दिया है। भारत का नीदरलैंड को निर्यात 2021-22 के 12.5 अरब डॉलर से लगभग 48 प्रतिशत बढ़कर 2022-23 में 18.52 अरब डॉलर हो गया है। वित्त वर्ष 2021-22 और 2020-21 में नीदरलैंड को निर्यात क्रमशः 12.55 अरब डॉलर और 6.5 अरब डॉलर रहा था। नीदरलैंड को निर्यात 2000-01 के बाद से लगातार बढ़ रहा है।

म्यूचूअल फंड की नई स्कीम्स का कलेक्शन 42 फीसदी घटा

- सेबी की नई योजनाएं लाने पर रोक से गिरा आंकड़ा
- 253 नई योजनाएं शुरू की गई थी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मार्केट रेग्युलेटर सेबी की म्यूचुअल फंड कंपनियों पर नई योजनाएं लाने की रोक की वजह से बीते वित्त वर्ष 2022-23 में नई योजनाओं के जरिये जुटाई गई राशि में गिरावट आई है। आंकड़ों के अनुसार, बीते वित्त वर्ष में नई योजनाओं के जरिये म्यूचुअल फंड उद्योग ने 62,342 करोड़ रुपए जुटाए हैं, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 42 फीसदी कम है। हालांकि, 2022-23 में इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में अधिक संख्या में एनएफओ लाए गए। मॉर्निंगस्टार इंडिया द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, 2022-23 में कुल 253 नई योजनाएं शुरू की गईं, जो 2021-22 के 176 के आंकड़े से अधिक है। उद्योग के आंकड़ों से पता चलता है कि चालू वित्त वर्ष में संपत्ति प्रबंधन कंपनियां ने विभिन्न कैटिगरी में 12 एनएफओ की पेशकश की है।

176 एनएफओ से 1, 07896 करोड़ जुटाए गए

: इसकी तुलना में, 2021-22 में 176 एनएफओ के जरिये 1,07,896 करोड़ रुपए की राशि जुटाई गई थी। 19 84 नई योजनाओं से 42,038 करोड़ रुपए जुटाए थे। बीते वित्त वर्ष में कई कारणों से एनएफओ संग्रह प्रभावित हुआ। इसमें एक प्रमुख वजह सेबी द्वारा नई योजनाओं की पेशकश पर तीन माह की रोक थी। इसके अलावा बेहद उतार-चढ़ाव वाले बाजार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निकासी और वैश्विक कारकों से भी एनएफओ में निवेश प्रभावित हुआ।

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहनों में गिरावट का रुख, किसान संकट में ...

नई दिल्ली। सस्ते आयातित तेल की मंडियों में भरमार तथा सीमित मात्रा में सूरजमुखी और सोयाबीन के शुल्कमुक्त आयात की छूट 30 जून तक बढ़ाये जाने की सरकार की अधिसूचना जारी किये जाने के बीच दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह ऊंची लागत वाले देशी तेल-तिलहनों के दाम में भारी गिरावट देखने को मिली। इस गिरावट से सरसों, सोयाबीन, बिनौला जैसे तिलहन उत्पादक किसान और देश का तेल उद्योग हैरान-परेशान है। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि सरकार ने पिछले दो वर्षों में सरसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में 800 रुपये की बढ़ोतरी की है। इस बढ़ोतरी के बावजूद पिछले दो साल के मुकाबले इस बार मंडियों में सरसों लगभग 32 प्रतिशत नीचे बिक रहा है। सूत्रों ने कहा कि सहकारी संस्था 'नाफेड' की खरीद पर्याप्त नहीं है।

थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- वैश्विक रुख और कंपनियों के परिणाम होंगे जारी

शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह मुद्रास्फीति के आंकड़ों, वैश्विक रुख और कंपनियों के चौथी तिमाही के परिणामों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह बात कही है। सबसे पहले बाजार शुक्रवार को जारी हुए औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देगा।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के उपाध्यक्ष-तकनीकी शोध अजित मिश्रा ने कहा, 'बाजार भागीदार सबसे पहले शुक्रवार को कारोबारी घंटों के बाद जारी हुए आईआईपी और सीपीआई के आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देंगे। थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति का आंकड़ा 15 मई को आएगा। वृहद आर्थिक आंकड़ों के अलावा वैश्विक रुख विशेषरूप से अमेरिका के बाजार का रुझान और विदेशी कोषों का प्रवाह बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा।' अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 18 महीने के निचले स्तर 4.7 प्रतिशत पर आ गई है।

भविष्य में दिख सकती है मुनाफा वसूली

मास्टर कैपिटल सर्विसेज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंदर सिंह नंदा ने कहा, 'बाजार की कुल धारणा सकारात्मक है। हालांकि, इस समय शेयरों के दाम एक ऐसे स्तर पर हैं जहां भविष्य में इनमें 'करेक्शन' या मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है।'

कंपनी प्रीमियम खंड में अपनी बाजार हिस्सेदारी मजबूत करेगी

हीरो मोटोकॉर्प रिकॉर्ड संख्या में नए मॉडल उतारेगी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

हीरो मोटोकॉर्प चालू वित्त वर्ष में रिकॉर्ड संख्या में नए मॉडल उतारने की तैयारी कर रही है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) निरंजन गुप्ता ने कहा कि हीरो मोटोकॉर्प विशेष रूप से प्रीमियम खंड में अपनी बाजार हिस्सेदारी मजबूत करना चाहती है।

- हार्ले डेविडसन के साथ गठजोड़ के तहत पहला उत्पाद उतारेगी

देश की सबसे बड़ी दोपहिया कंपनी चालू वित्त वर्ष के दौरान कई नई बाइक पेश करेगी। कंपनी वित्त वर्ष के दौरान हीरो मोटोकॉर्प-हार्ले डेविडसन गठजोड़ के तहत पहला उत्पाद उतारेगी।

मार्जिन में वृद्धि की उम्मीद

गुप्ता ने कहा कि इस साल कंपनी वृद्धि की संभावनाओं को लेकर आशान्वित है और वह विभिन्न खंडों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की तैयारी कर रही है। गुप्ता ने कहा, 'हम वित्त वर्ष को लेकर उत्साहित हैं और अपनी बाजार हिस्सेदारी और मार्जिन में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। हम कई उत्पाद उतारने जा रहे हैं। प्रत्येक तिमाही में एक नया उत्पाद उतारा जाएगा।'

450 सीसी की बाइक पर ध्यान

सीईओ ने बताया कि कंपनी प्रीमियम खंड में कई नए मॉडल उतारेगी। उन्होंने कहा, 'कुछ बड़े उत्पाद उतारे जाएंगे। इनसे प्रीमियम खंड में हमारी बाजार हिस्सेदारी बढ़ना सुनिश्चित होगा।' उन्होंने कहा कि कंपनी 150 सीसी से 450 सीसी की प्रीमियम खंड की बाइक पर ध्यान दे रही है।

160 सीसी के नए मॉडल लाने की तैयारी

किफायती बाइक खंड (100-110सीसी) में कंपनी सबसे आगे है और वह 125 सीसी में उपस्थिति बढ़ाने और 160 सीसी और आगे के खंड में नए मॉडल लाने की तैयारी में है। गुप्ता ने एक विश्लेषक कॉल में कहा, 'हम चालू वित्त वर्ष की प्रत्येक तिमाही में नया उत्पाद लाएंगे। संभवतः इस वित्त वर्ष में हम कंपनी के इतिहास में सबसे अधिक नए मॉडलों की पेशकश करेंगे।'

कंपनी विडा ईवी की घोषणा कर चुकी

कंपनी अपने इलेक्ट्रिक ब्रांड विडा के विस्तार की घोषणा पहले ही कर चुकी है। चालू कैलेंडर साल में कंपनी का इरादा विडा को 100 शहरों तक पहुंचाने का है।

बीते वित्त वर्ष में घरों की बिक्री 48 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। देश के सात प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री बीते वित्त वर्ष में सालाना आधार पर 48 प्रतिशत बढ़कर 3.47 लाख करोड़ रुपये रही है। रियल एस्टेट फर्म एनारॉक ने बताया कि घरों की भारी मांग और कीमत बढ़ने से इसमें वृद्धि हुई है। एनारॉक ने बताया कि आवासीय संपत्तियों की बिक्री कीमत के आधार पर 2021-22 के 2,34,850 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022-23 में 3,46,960 करोड़ रुपये हो गई। संख्या के मामले में बिक्री 2021-22 के 2,77,783 घरों से बढ़कर 2022-23 में 3,79,095 इकाई तक पहुंच गई।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	12	8	4	16
चेन्नई	13	7	5	15
मुंबई	12	7	5	14
लखनऊ	12	6	5	13
बेंगलोर	12	6	6	12
राजस्थान	13	6	7	12
कोलकाता	13	6	7	12
पंजाब	12	6	6	12
हैदराबाद	11	4	7	8
दिल्ली	12	4	8	8

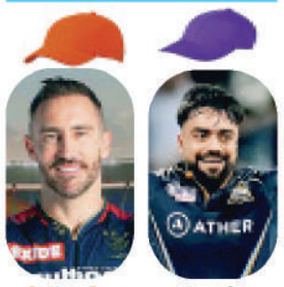

औरेंज कैप
डु प्लेसिस
631 रन

पर्पल कैप
राशिद खान
23 विकेट

आईपीएल : 16वें सत्र में अब तक रिकॉर्ड 16 खिलाड़ियों ने की कप्तानी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईपीएल 2023 सीजन के 60 मुकाबले खेले जा चुके हैं, लेकिन प्लेऑफ की तस्वीर साफ नहीं हुई है। इसके अलावा अब तक इस सीजन 16 खिलाड़ी कप्तानी कर चुके हैं, जो कि एक रिकार्ड है। इससे पहले कभी किसी आईपीएल सीजन में इतने खिलाड़ियों को कप्तानी करने का मौका नहीं मिला था।

इस सीजन गुजरात टाइटंस के अलावा मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, लखनऊ सुपर जाएंट्स, पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद जैसी टीमों ने 2-2 खिलाड़ियों को कप्तान के तौर पर आजमाया है।

कप्तानी करने वाले खिलाड़ी

टीम	खिलाड़ी
गुजरात	हार्दिक पांड्या, शुभमन गिल
चेन्नई	महेन्द्र सिंह धोनी
मुंबई	रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव
लखनऊ	केएल राहुल, क्रुणाल पांड्या
राजस्थान	संजू सैमसन
पंजाब	शिखर धवन, सैम करन
बेंगलोर	फॉफ डु प्लेसी, विराट कोहली
कोलकाता	नितीश राणा
हैदराबाद	भुवनेश्वर, एडम मार्करम
दिल्ली	डेविड वार्नर

2013 में 15 खिलाड़ियों ने की थी कप्तानी

आईपीएल 2013 में 15 खिलाड़ियों ने कप्तानी की बागडोर संभाली थी। उस सीजन कुल 9 टीमें थी। आईपीएल 2013 सीजन में गौतम गंभीर के अलावा महेला जयवर्धने, विराट कोहली, रिकी पोंटिंग, एंजेलो मैथ्यूज, कुमार संगकारा, राहुल द्रविड़, महेन्द्र सिंह धोनी, एडम गिलक्रिस्ट, रॉस टेलर, कैमरन व्हाइट, ऑरोन फिंच, रोहित शर्मा, डेविड हसी और डेविड वार्नर ने कप्तानी की थी।

खिलाड़ियों की चोट बनी वजह

दरअसल, आईपीएल 2023 सीजन में कई टीमें अपने खिलाड़ियों की चोट से जूझ रही हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स के श्रेयस अय्यर टूर्नामेंट से पहले चोटिल हो गए थे, जिसके बाद नितीश राणा को शाहरूख खान की टीम का कप्तान बनाया। वहीं, केएल राहुल फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए थे। जिसके बाद सीजन के आगामी मैचों के लिए लखनऊ सुपर जाएंट्स ने ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या को टीम का कप्तान बनाया।

तीसरे नंबर पर 14 खिलाड़ी

इसके अलावा आईपीएल 2011, आईपीएल 2012 और आईपीएल 2022 में 14-14 खिलाड़ियों को कप्तानी करने का मौका मिला था।

60 लाख वाले ने मैच जिताया 18.5 करोड़ वाला रहा फिसड्डी

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के ओपनर प्रभसिमरन सिंह ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी की प्रभसिमरन ने 65 गेंदों 158.46 के स्ट्राइक रेट से 103 रन ठोक दिए। पूर्व विस्फोटक ओपनर वीरेंद्र सहवाग भी प्रभसिमरन सिंह की इस पारी के बाद उनकी बैटिंग के मुरीद हो गए हैं। वीरू ने इस युवा बैटर की जमकर तारीफ की। वीरेंद्र सहवाग ने कहा, पंजाब किंग्स ने प्रभसिमरन को जो मौके दिए हैं, उससे उन्हें फायदा हुआ। अब उन्हें लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। प्रभसिमरन सिंह जब पहली बार आईपीएल में आए थे तो उन्हें बहुत सारा पैसा (4.8 करोड़ रुपए) देकर खरीदा गया। इस बार उन्हें काफी कम रकम मिली है। बावजूद इसके उन्होंने अपनी प्रतिभा साबित कर दी। प्रभसिमरन सिंह ने दिखाया कि वह शतक लगा सकता है। उसे 60 लाख रुपए में खरीदा गया था और अगर कोई खिलाड़ी इतना अधिक स्कोर करता है और आपको कुछ गेम जीता देता है तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। पंजाब ने सैम कुरेन 18.50 करोड़ खरीदा, उन्होंने क्या किया है?

प्रभसिमरन सिंह
60 लाख रुपए

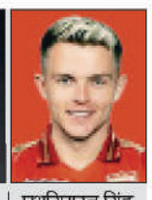

प्रभसिमरन सिंह
18.5 करोड़ रुपए

खबर संक्षेप

प्रमोद को दो स्वर्ण पदक एल यथिराज बने चैंपियन

नई दिल्ली। टोक्यो पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत ने रविवार को यहां थाईलैंड पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में दो स्वर्ण पदक के साथ प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रमोद ने पुरुष एकल 'एसएल तीन' के फाइनल में इंग्लैंड के डेनियल बेथेल को शिकस्त दी। उन्होंने 'पुरुष युगल 'एसएल तीन - एसएल चार' वर्ग में साथी सुकांत कदम के साथ जोड़ी बनाकर स्वर्ण जीता। सुहास एल यथिराज पुरुष एकल फाइनल में साथी भारतीय सुकांत को 21-14, 17-21, 21-11 से हराकर 'एसएल चार' वर्ग में चैंपियन बने।

जोकोविच ने तीसरे दौर में दिमित्रोव को हराया

रोम। नोवाक जोकोविच ने रविवार को इटालियन ओपन के तीसरे दौर में शनिवार को यहां ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-3, 4-6, 6-1 से शिकस्त दी। बाईस बार के ग्रैंड स्लैम विजेता को दूसरे सेट में अंक बटोरने के लिए मशक्कत करनी पड़ी लेकिन उन्होंने तीसरे सेट में वापसी कर बुल्गारिया के खिलाड़ी पर 6-1 से जीत दर्ज की। दोनों खिलाड़ियों के बीच 12वें मुकाबले में जोकोविच की यह 11वीं जीत है।जोकोविच का अगला मुकाबला 13वीं वरीयता प्राप्त कैमरून नॉरी और मार्टन फुकसोविक्स के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

एमबापे ने दागे दो गोल अजाशियो को 5-0 से रौंदा

पेरिस। लियोनेल मेसी ने संक्षिप्त निलंबन झेलने के बाद पेरिस सेंट जर्मेन की टीम में वापसी की लेकिन वह काइलन एमबापे थे जिन्होंने फ्रांसीसी फुटबॉल लीग के मैच में अपनी टीम की अजाशियो पर 5-0 के जीत में दर्शकों का दिल लूटा। पीएसजी ने इस जीत से दूसरे स्थान पर काबिज लेंस पर छह अंक की बढ़त बना दी है और वह फ्रांसीसी लीग में रिकॉर्ड 11वां खिताब जीतने के करीब पहुंच गया है। अब जबकि तीन दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं तब पीएसजी के 35 मैचों में 81 अंक हो गए हैं। लेंस के इतने ही मैचों में 75 अंक हैं।

रियल मैड्रिड ने गेटाफे को 1-0 से हराया

बार्सिलोना। रियल मैड्रिड ने मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ अगले सप्ताह होने वाले चैंपियंस लीग सेमीफाइनल के निर्णायक मुकाबले को देखते हुए अपने स्टार स्ट्राइकर करीम बेनजेमा सहित चोटी के खिलाड़ियों को विश्राम दिया। इसके बावजूद उसकी टीम गेटाफे को 1-0 से हराकर स्पेनिश लीग फुटबाल टूर्नामेंट ला लिगा में दूसरे स्थान पर पहुंचने में सफल रही। मैच का एकमात्र गोल मार्को असेंसियो ने 70वें मिनट में किया। इस जीत से रियल मैड्रिड के 34 मैचों में 71 अंक हो गए हैं और वह एटलेटिको मैड्रिड से दो अंक आगे हो गया है। एटलेटिको के 33 मैचों में 69 अंक हैं। बार्सिलोना 33 मैचों में 82 अंक लेकर शीर्ष पर काबिज है।

आईपीएल : आरआर का यह दूसरा सबसे कम स्कोर

बेंगलोर की रॉयल जीत, 112 रन से रौंदा, राजस्थान रॉयल्स 59 पर ढेर

एजेंसी ▶▶| जयपुर

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग के एकतरफा मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 112 रन से हरा दिया। इस जीत से आरसीबी ने प्ले ऑफ में जगह बनाने की अपनी उम्मीदें जीवंत रखी हैं। टीम 12 मैच में 12 अंक के साथ पांचवें स्थान पर चल रही है। रॉयल्स भी 12 अंक के साथ छठे स्थान पर हैं लेकिन उसने 13 मैच खेले हैं। आरसीबी के 172 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम 10.3 में सिर्फ 59 रन पर ढेर हो गई।

शिमरोन हेटमायर (19 गेंद में 35 रन) रॉयल्स के शीर्ष स्कोर रहे। उनके अलावा सिर्फ जो रूट (10) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। रॉयल्स का यह दूसरा सबसे कम स्कोर है। इससे पहले टीम 2009 में आरसीबी के खिलाफ ही 58 रन पर सिमट गई थी। आरसीबी ने फाफ डुप्लेसी (55) की विराट कोहली (18) के साथ पहले विकेट के लिए 50 और मैक्सवेल (54) के साथ दूसरे विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी से पांच विकेट पर 171 रन बनाए। अनुज रावत (29 रन) ने अंत में तेजतर्रार पारी खेलकर टीम का स्कोर 170 रन के पार पहुंचाया।

मैक्सवेल का 5वां अर्धशतक डु प्लेसिस के 4 हजार रन पूरे

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल 54 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने सीजन का 5वां अर्धशतक जमाया। मैक्सवेल ने 163.64 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। अब मैक्सवेल के नाम 18 अर्धशतक हो गए हैं। बेंगलुरु के कप्तान फाफ डु प्लेसिस 44 बॉल पर 125.00 रन के स्ट्राइक रेट से 55 रन बनाकर आउट हुए। फाफ ने सीजन का 7वां अर्धशतक जमाया। यह उनके लीग कॅरियर का ओवरऑल 32वां अर्धशतक है। फाफ ने मौजूदा सीजन में 600+ रन बना लिए हैं। इतना ही नहीं, उनके लीग में 4 हजार रन भी हो गए हैं।

कोहली एक टीम से 250 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी

मैच में विराट कोहली ने एक खास मुकाम हासिल किया। किंग कोहली टी-20 में किसी एक टीम की तरफ से 250 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने अपने 250वें मैच में भले ही 18 रन बनाए हो, लेकिन ये खास उपलब्धि उन्होंने हासिल कर ली है। बता दें कि एक टीम की तरफ से सबसे ज्यादा मैच खेलने के मामले में दूसरे नंबर पर महेंद्र सिंह धोनी का नाम है, जिन्होंने सीएसके की तरफ से 240 मैच खेले है। बता दें कि आईपीएल 2023 में विराट कोहली ने अब तक कुल 6 अर्धशतक जड़े है।

ऑलओवर तीसरा सबसे छोटा स्कोर

मेजबान टीम 172 रन का टरगेट चेज करते हुए महज 59 रन पर सिमट गई। यह आईपीएल इतिहास का तीसरा सबसे छोटा इनिंग टोटल है। दूसरा सबसे छोटा स्कोर आरआर के ही नाम है। 2009 में टीम 58 रन पर ऑलआउट हो गई थी। तब भी बेंगलुरु ने ही टीम को ऑलआउट किया था। लीग के सबसे छोटे स्कोर की बात करें तो यह रिकॉर्ड बेंगलोर के नाम दर्ज है। बेंगलोर की टीम 2017 में कोलकाता के खिलाफ 49 रन पर ऑलआउट हो गई थी।

स्कोर बोर्ड

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर	रन	गेंद	4	6
कोहली का जायसवाल बो अश्विन	18	19	1	0
डुप्लेसी का जायसवाल बो आसिफ	55	44	3	2
ग्लेन मैक्सवेल बो संदीप	54	33	5	3
महिपाल लोमरोर का जुरेल बो जंपा	01	02	0	0
दिनेश कार्तिक पराग बो जंपा	00	02	0	0
माइकल ब्रेसवेल नाबाद	09	09	0	0
अनुज रावत नाबाद	29	11	3	2

अतिरिक्त : 05, कुल : 20 ओवर में 171/5
गेंदबाजी : संदीप 4-0-34-1, जंपा 4-0-25-2, चहल 4-0-37-0, अश्विन 4-0-33-0, आसिफ 4-0-42-2.

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4	6
जायसवाल का कोहली बो सिराज	00	02	0	0
बटलर का सिराज बो पार्नेल	00	02	0	0
सैमसन का रावत बो पार्नेल	04	05	1	0
जो रूट पराग बो पार्नेल	10	15	1	0
पडिक्कल का सिराज बो ब्रेसवेल	04	04	1	0
हेटमायर का ब्रेसवेल बो मैक्सवेल	35	19	1	4
जुरेल का लोमरोर बो ब्रेसवेल	01	07	0	0
रविचंद्रन अश्विन रन आउट	00	00	0	0
हसम जंपा बो कर्ण	02	06	0	0
संदीप शर्मा नाबाद	00	01	0	0
आसिफ का कोहली बो कर्ण	00	02	0	0

अतिरिक्त : 03, कुल : 10.3 ओवर में 59/10
गेंदबाजी : सिराज 2-0-10-1, पार्नेल 3-0-10-3, ब्रेसवेल 3-0-16-2, कर्ण 1.3-0-19-2, मैक्सवेल 1-0-3-1.

केकेआर जीता, प्लेऑफ में चेन्नई का इंतजार बढ़ा

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

कोलकाता नाइटराइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स को छह विकेट से शिकस्त दी। चेन्नई को छह विकेट पर 144 रन पर रोकने के बार केकेआर 18.3 ओवर में चार विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। केकेआर की 13 मैचों में यह छठी जीत है और टीम 12 अंक के साथ अगर-मगर के प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। चेन्नई के पास इस मैच को जीत कर प्लेऑफ में जगह पक्की करने का मौका था लेकिन उसे अब इंतजार करना होगा।

लक्ष्य का बचाव करते हुए चेन्नई ने पावर प्ले में तीन विकेट चटका अच्छी शुरुआत की थी लेकिन रिंकू सिंह और नितीश राणा ने इस मैदान पर चौथे विकेट के लिए चेन्नई के खिलाफ 99 रन की रिकॉर्ड साझेदारी कर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। नितीश को 11वें ओवर में मोईन अली की गेंद पर मथीश पथिराना ने कैच टपकाकर जीवनदान दिया। उस समय वह 18 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। उन्होंने 44 गेंद की नाबाद पारी में छह चौके और एक छक्का लगाया। मैन ऑफ द मैच रिंकू ने 43 गेंद की पारी में चार चौके और तीन छक्के जड़े।

स्कोर बोर्ड

चेन्नई सुपरकिंग्स	रन	गेंद	4	6
गायकवाड़ का वैभव बो चक्रवर्ती	17	13	2	0
कॉनवे का रिंकू बो शार्दूल	30	28	3	0
रहाणे का रॉय बो चक्रवर्ती	16	11	1	1
अंबाती रायडू बो नारायण	04	07	0	0
शिवम दुबे नाबाद	48	34	1	3
मोईन अली बो नारायण	01	02	0	0
जडेजा का चक्रवर्ती बो वैभव	20	24	0	1
महेंद्र सिंह धोनी नाबाद	02	03	0	0

अतिरिक्त : 06, कुल : 20 ओवर में 144/6
गेंदबाजी : अरोड़ा 4-0-30-1, राणा 2-0-19-0, चक्रवर्ती 4-0-36-2, नारायण 4-0-15-2, ठाकुर 3-0-15-1, सुयश 3-0-29-0

केकेआर	रन	गेंद	4	6
रॉय का पथिराना बो ठाकुर	12	15	1	0
गुरबाज का देशपांडे बो ठाकुर	01	04	0	0
वेंकटेश का जडेजा बो ठाकुर	09	04	2	0
नितीश राणा नाबाद	57	44	6	1
रिंकू सिंह रन आउट (अली)	54	43	4	3
आंद्रे रसेल नाबाद	02	02	0	0

अतिरिक्त : 12, कुल : 18.3 ओवर में 142/4
गेंदबाजी : ठाकुर 3-0-27-3, देशपांडे 3.3-0-25-0, अली 4-0-31-0, तीक्षणा 3-0-22-0, जडेजा 3-0-23-0, पथिराना 2-0-18-0.

फिर से दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी बने अल्कराज

एजेंसी ▶▶| रोम

कार्लोस अल्कराज ने इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने पदार्पण मैच में जीत दर्ज करके विश्व रैंकिंग में फिर से नंबर एक स्थान हासिल कर लिया है।

अल्कराज ने अल्बर्ट रामोस विनोलास को 6-4, 6-1 से हराकर नोवाक जोकोविच की जगह शीर्ष स्थान हासिल किया। इससे उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि 28 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन में उन्हें पहली वरीयता मिलेगी। बार्सिलोना और मैड्रिड में खिताब जीतकर यहां पहुंचे अल्कराज ने अपने विजय अभियान को 12 मैच तक पहुंचा दिया है। इस साल क्ले कोर्ट पर उनका रिकॉर्ड 20-1 हो गया है।

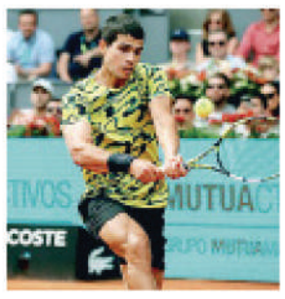

पाकिस्तान में भारतीय ब्रिज टीम का जोरदार सत्कार

नई दिल्ली। भारत के ब्रिज खिलाड़ियों का लाहौर के पांच सितारा होटल में राजसी सत्कार हुआ। भारत की 32 सदस्यीय ब्रिज टीम में समाजसेवी और एक्सीएल के संस्थापक शिव नाडर की पत्नी किरण नाडर और अनुभवी राजेश्वर तिवारी भी शामिल हैं। दुनियाभर में कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं सहित एशियाई खेलों में भी हिस्सा लेने वाले राजेश्वर उस टीम का हिस्सा थे जिसने एशियाई ब्रिज महासंघ और मिडिल ईस्ट चैंपियनशिप के ओपन वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। भारत ने प्रतियोगिता में दांव पर लगे चारों स्वर्ण पदक जीतकर सूपड़ा साफ किया। पाकिस्तान में हिंसा को लेकर भारतीय टीम के नर्वस होने की आशंका थी लेकिन तिवारी ने बताया कि आयोजकों ने सुनिश्चित किया है कि वे पर्ल कॉन्टिनेंटल होटल में पूरी तरह सुरक्षित महसूस करें।

सुदीरमन कप
जॉली-गोपीचंद ने दर्ज की एकमात्र जीत

भारत पहले मुकाबले में चीनी ताइपे से 1-4 से हारा

एजेंसी ▶▶| सुजोऊ

भारत की सुदीरमन कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में शुरुआत निराशाजनक रही और उसे ग्रुप सी के अपने पहले मुकाबले में ही रविवार को यहां चीनी ताइपे से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। पीवी सिंधू सहित भारतीय खिलाड़ियों ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी चुनौती दी लेकिन वे अनुकूल परिणाम हासिल करने में नाकाम रहे।

भारत की तरफ से तनीषा क्रास्टो और के साई प्रतीक को यांग पो हुआन और हू लिंग फेंग से 21-18, 24-26, 6-21 से हार मिली। प्रणय पांचवें नंबर के खिलाड़ी चाउ टिएन चेन से 19-21,15-21 से हार गए। इससे भारत 0-2 से पीछे हो गया। सिंधू को ताइ जु ने एक घंटा चार मिनट तक चले इस मैच को 21-14, 18-21, 21-17 से जीता। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने इसके बाद पुरुष युगल मैच में ली यांग और ये होंग वेई को कड़ी टक्कर दी लेकिन उन्हें आखिर में 13-21, 21-17, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे भारत 0-4 से पीछे हो गया। त्रीसा जॉली और पी गायत्री गोपीचंद की विश्व में 17वें नंबर की महिला युगल जोड़ी ने ली चिया सीन और टेंग चुन सून को 21-15, 18-21, 13-21 से पराजित करके चीनी ताइपे को क्लीन स्वीप नहीं करने दिया।

पाकिस्तान से तीन टेस्ट मैच खेलेगा ऑस्ट्रेलिया

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया दिसंबर और जनवरी में अपने ग्रीष्मकालीन सत्र के दौरान पाकिस्तान से तीन और वेस्टइंडीज से दो टेस्ट मैच खेलेगा। पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला का पहला टेस्ट मैच पर्थ में 14 से 18 दिसंबर तक खेला जाएगा जबकि पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच 26 से 30 दिसंबर के बीच मेलबर्न में खेला जाएगा। तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच तीन से सात जनवरी के बीच सिडनी में खेले जाने की संभावना है, हालांकि एडिलेड ने भी इस मैच की मेजबानी करने में दिलचस्पी दिखाई है। इसके बाद वह दो टेस्ट मैचों के लिए वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगा।

टूर्नामेंट का आयोजन 21 जून से चार जुलाई तक किया जाएगा

बेंगलुरु में सैफ चैंपियनशिप खेलेगा पाकिस्तान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पाकिस्तान ने जून-जुलाई में बेंगलुरु में होने वाली दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ चैंपियनशिप में हिस्सा लेने की पुष्टि कर दी है और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ को पड़ोसी देश के खिलाड़ियों के भारत की यात्रा पर आने में कोई समस्या नजर नहीं आती। इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में लेबनान और कुवैत की टीम भी हिस्सा लेंगी क्योंकि सैफ कार्यकारी समिति ने चैंपियनशिप को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए मार्च में फैसला किया था कि दक्षिण एशियाई क्षेत्र से बाहर की टीमों को भी टूर्नामेंट में खिलाया जाएगा।

एआईएफएफ के महासचिव शाजी प्रभाकरन ने कहा, 'हमें पाकिस्तान के खिलाड़ियों के सैफ चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए भारत आने में कोई समस्या नजर नहीं आती।' प्रभाकरन से पूछा गया था कि दोनों देश के बीच राजनीतिक तनाव को देखते हुए क्या पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा जारी करने में कोई समस्या आ सकती है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि भारत की ब्रिज टीम ने हाल में पाकिस्तान में क्षेत्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लिया और हमें उनके प्रतिनिधित्व में कोई आशंका नजर नहीं आती।' आठ देशों के इस टूर्नामेंट का आयोजन 21 जून से चार जुलाई तक बेंगलुरू में किया जाएगा।मेजबान भारत के अलावा लेबनान, कुवैत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और मालदीव इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे।

भारत आठ बार का चैंपियन

अफगानिस्तान कुछ साल पहले सैफ को छोड़कर मध्य एशियाई फुटबॉल महासंघ से जुड़ गया था। पाकिस्तान ने 1993 से अब तक हुए 13 टूर्नामेंट में से दो में हिस्सा नहीं लिया है। पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ ने 2015 में भारत में हुए टूर्नामेंट के लिए आंतरिक कारणों से अपनी टीम नहीं भेजी थी। इसके अलावा देश 2021 टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाया था क्योंकि फीफा ने उसे निलंबित किया था। यह निलंबन पिछले साल हटाया गया। भारत ने इस क्षेत्रीय टूर्नामेंट को रिकॉर्ड आठ बार जीता है। गत चैंपियन मालदीव ने दो बार जबकि अफगानिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका ने एक-एक बार खिताब अपने नाम किया। भारत चौथी बार टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। टूर्नामेंट का ड्रॉ बुधवार को यहां होगा।

घुड़सवारी का ऐतिहासिक प्रदर्शन

बुज्निका, मोरक्को में घुड़सवारी के ऐतिहासिक प्रदर्शन के दौरान राइडर्स अपने-अपने घोड़े के साथ प्रदर्शन करते हुए। इसे यहां टोबौरिडा कहा जाता है, जो 16वां शताब्दी महोत्सव है। इस घुड़सवारी महोत्सव में मोरक्को में पैदा हुए या मोरक्कन मूल के कलाकार भाग लेते हैं। मोरक्को में समकालीन कला अभी भी विकसित हो रही है। 1990-2000 के दशक के बाद से मोरक्कन शहरों ने उन संस्थानों का स्वागत किया है जो समकालीन कला और दृश्य कला के प्रसार में योगदान करते हैं। मोरक्कन कलाकारों ने देश में समकालीन कला बाजार विकसित करने में मदद के लिए कई पहलें तैयार की हैं। इसी में एक घुड़सवारी की कला है जो आज भी यहां के लोगों के लिए काफी लोकप्रिय है।

मोबाइल खोने का नहीं टेंशन ब्लॉक कर ढूंढ देगा सिस्टम

सरकार लॉन्च करने जा रही है खास ट्रैकिंग सिस्टम, चोरियां होंगी कम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मोबाइल फोन गुम हो जाने या चोरी हो जाने के बाद उसे ट्रैक या ब्लॉक करने को लेकर अक्सर टेंशन रहती है। अब सरकार कुछ ऐसा करने जा रही है, जिससे यह टेंशन हमेशा के लिए दूर हो जाएगी। सरकार इस सप्ताह एक ट्रैकिंग सिस्टम शुरू करने जा रही है। इस सिस्टम के जरिए देशभर में लोग अपने गायब या चोरी हो चुके मोबाइल फोन को ब्लॉक कर सकेंगे या उसका पता लगा सकेंगे। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी।

प्रौद्योगिकी विकास निकाय सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमेटिक्स (सीडॉट) दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक और पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित कुछ दूरसंचार सर्किलों में सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) सिस्टम को एक्सपेरिमेंट के तौर पर चला रहा है। दूरसंचार विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि अब इस सिस्टम को ऑल इंडिया लेवल पर शुरू किया जा सकता है।

सीईआईआर सिस्टम को 17 मई को ऑल इंडिया लेवल पर पेश किए जाएगा। इस बारे में संपर्क करने पर सीडॉट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और चेयरमैन परियोजना बोर्ड राजकुमार उपाध्याय ने तारीख की पुष्टि नहीं की, लेकिन उन्होंने कहा कि यह प्रौद्योगिकी अखिल भारतीय स्तर पर पेश किए जाने के लिए तैयार है। राजकुमार उपाध्याय ने कहा कि सिस्टम तैयार है। अब इसे इसी तिमाही में पूरे भारत में शुरू किया जाएगा। इससे लोग अपने खोए हुए मोबाइल फोन को ब्लॉक और ट्रैक कर सकेंगे। सीडॉट ने सभी दूरसंचार नेटवर्क पर क्लोंड मोबाइल फोन के इस्तेमाल का पता लगाने के लिए इसमें नई खूबियां जोड़ी हैं। सरकार ने भारत में मोबाइल उपकरणों की बिक्री से पहले इंटरनेशनल मोबाइल इक्विपमेंट आइडेंटिटी (आईएमईआई-15 अंक की संख्या) की जानकारी अनिवार्य कर दी है।

विदेशी ऋण: सात महीने से लंबित है नौवां समीक्षा बेलआउट पैकेज

पाक को आईएमएफ ने थमाया आठ अरब डॉलर का 'कटोरा'

पहले ऋण चुकाने की व्यवस्था कर ले शहबाज सरकार

इस्लामाबाद,(एजेंसी)। आईएमएफ ने पाकिस्तान के सात महीने से लंबित नौवें समीक्षा बेलआउट पैकेज के तहत सरकार को अपने विदेशी ऋण चुकाने के लिए 08 अरब डॉलर व्यवस्था करने को कहा है। संस्था की तरफ से ये बात शनिवार को कही गई। एक अंग्रेजी एजेंसी के अनुसार, आईएमएफ ने कहा कि अगली ऋण राशि तभी दी जाएगी जब पाकिस्तान सरकार विदेशी ऋण चुकाता है। आईएमएफ और पाकिस्तान के बीच एक बिलियन अमेरिकी डॉलर का कर्मचारी स्तर का समझौता नवंबर से लंबित है। हालांकि, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के आईएमएफ को गारंटी देने के बावजूद 6.5 अरब अमेरिकी डॉलर का बेलआउट पैकेज पाकिस्तान को मिलने की संभावना कम ही दिख रही है। क्योंकि, आईएमएफ बार-बार किस्त जारी करने से कतराता रहा है।

पाकिस्तान सरकार अगले वित्त वर्ष 2023-24 के लिए विदेशी ऋण चुकाने की आईएमएफ की मांग पर चर्चा नहीं की है। आईएमएफ ने पाकिस्तान के विदेशी कर्ज चुकाने की राशि 06 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 08 अरब अमेरिकी डॉलर कर दिया है। वहीं, सरकार ने बताया कि इस विस्तारित फंड से नौवें समीक्षा की संभावनाओं को काफी कम कर दिया है। वहीं विदेश मंत्री इशाक डार ने बयान जारी कर बताया कि पाकिस्तान आईएफएफ की मांग पर कड़े फैसले नहीं लेगा। एक पाकिस्तानी अखबार के अनुसार, यह पूरी तरह से आईएमएफ पर निर्भर है कि वह कर्मचारी स्तर के डील पर सिग्नेचर करे या नहीं? पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने बयान जारी करके बताया हमने आईएमएफ के पूर्व की शर्तों को पूरा कर दिया है। अब हम इस हालत में नहीं हैं कि नई शर्तों को पूरा करें। आईएमएफ का ध्यान अब पाकिस्तान अपनी बकाया राशि को चुकाने से पीछे नहीं हटे।

पाकिस्तान में छापेमारी के दौरान 22 अफगानी नागरिक गिरफ्तार

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान में रविवार को पुलिस ने छापेमारी कर 22 अफगान नागरिकों को हिरासत में लिया है। हिरासत में लिए गए अफगानी नागरिकों के पास से फर्जी दस्तावेज बरामद हुए हैं। ये अफगानी नागरिक अवैध दस्तावेजों के साथ पाकिस्तान में वर्षों से रह रहे थे। हालांकि ये किस उद्देश्य के साथ पाकिस्तान में रह रहे थे यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस अभी इन कारणों का जांच करेगी। पाकिस्तानी पुलिस ने कहा कि शनिवार को तोरखम में बाचा मेना सीमा क्षेत्र सहित कई हिस्सों में छापेमारी के दौरान उन्होंने 22 अफगान नागरिकों को हिरासत में लिया। पुलिस ने कहा कि उन्होंने अवैध दस्तावेजों के बिना पाकिस्तान में रह रहे अफगान नागरिकों को हिरासत में लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों को सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि जिन क्षेत्रों में छापेमारी हुई है, वहां से पिछले कुछ दिनों में कई बार लूट और डकैती की शिकायत सामने आई है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने तोरखम बाजार और बच्चा मेना सीमा क्षेत्र में छापेमारी की है।

मुख्यमंत्री गहलोत ने किए 1462 नवीन पद मंजूर

158 उप स्वास्थ्य केंद्र होंगे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत

जयपुर, (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में 158 उप स्वास्थ्य केंद्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में क्रमोन्नत करने, 03 नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं 01 नया शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। साथ ही, उन्होंने क्रमोन्नत एवं नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए चिकित्सा अधिकारी के 162, नर्स द्वितीय श्रेणी के 324, महिला स्वास्थ्य दर्शिका के 162, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के 04, फार्मासिस्ट के 162, लैब टेक्नीशियन के 162, वार्ड ब्वॉय के 324 एवं सफाई कर्मचारी के 162 पदों सहित कुल 1462 पदों के सृजन को मंजूरी दी है। प्रस्ताव के अनुसार, सीकर, बाड़मेर, जोधपुर, जयपुर, अलवर, नागौर, भरतपुर, भीलवाड़ा, राजसमंद, दौसा, पाली, अजमेर, उदयपुर, बांसवाड़ा, जैसलमेर, झुंझुनं, जालौर, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, धौलपुर, श्रीगंगानगर, चूरू, चित्तौड़गढ़, करौली, बीकानेर, टोंक एवं प्रतापगढ़ जिलों में विभिन्न उप स्वास्थ्य केंद्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में क्रमोन्नत किया गया है।

धनखड़ ने सपत्नीक किए जगत पिता ब्रह्माजी के दर्शन, लिया आशीर्वाद

अजमेर, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को अपनी राजस्थान यात्रा के दौरान अजमेर के तीर्थराज पुष्कर पहुंच कर सपत्नीक जगतपिता ब्रह्मा मंदिर में भगवान ब्रह्मा जी के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद लिया। श्री धनखड़ अपने निर्धारित कार्यक्रमानुसार जयपुर से सेना के हैलीकॉप्टर के जरिये पुष्कर में बनाये गये अस्थाई हैलीपैड पर पहुंचे जहां प्रशासनिक व्यवस्था के तहत गर्मजोशी से उनकी अगवानी की गई। यहां से धनखड़ का काफिला सीधे ब्रह्मा मंदिर पहुंचा और गौशाला की ओर से मंदिर प्रवेशद्वार के जरिये मंदिर में ब्रह्मा जी के दर पहुंचा। यहां पुजारी परिवार के लक्ष्मीनारायण वशिष्ठ एवं कृष्णगोपाल वशिष्ठ ने उनकी अगवानी की। श्री धनखड़ ने अपनी पत्नी सुदेश धनखड़ के साथ ब्रह्मा जी के दर्शन किए।

'जी-20 टूरिज्म बैठक का जम्मू-कश्मीर पर्यटन पर सकारात्मक प्रभाव की उम्मीद'

श्रीनगर, (एजेंसी)। अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी ने रविवार को उम्मीद जताई कि यहां होने जा रही जी20 टूरिज्म वर्किंग ग्रुप की बैठक का जम्मू-कश्मीर पर्यटन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। बुखारी ने रविवार को श्रीनगर में संवाददाताओं से कहा कि हमें उम्मीद है कि कश्मीर में हो रही जी-20 बैठक अच्छे नोट पर आयोजित की जाएगी और इसमें भाग लेने के लिए अच्छी संख्या में प्रतिनिधि आएंगे।

उन्होंने कहा कि कश्मीर से बेहतर कोई जगह नहीं है जहां पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बैठक की जा सकती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह बैठक उन विदेशी पर्यटकों के लिए काम करेगी जो कुछ देशों द्वारा जारी सलाह के कारण यहां नहीं आ रहे थे और इससे हम उनकी यात्रा सुनिश्चित करेंगे ताकि जम्मू-कश्मीर पर्यटन को लाभ मिल सके। इस सवाल के जवाब में कि पाकिस्तान देशों पर जी-20 बैठक में भाग नहीं लेने का दबाव बना रहा है, बुखारी ने कहा कि मैं पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व नहीं कर रहा हूं, मैं अपने देश की बात कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हाल ही में गोवा में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लिया।

मन मोह लेने वाला है उत्तरी कश्मीर का बांग्लादेश गांव

उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले में स्थित, जुरिमांज, जिसे बांग्लादेश के नाम से भी जाना जाता है, शानदार वुलर झील के किनारे बसा एक आकर्षक गांव है। अपनी आश्चर्यजनक प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के साथ, यह छिपा हुआ गांव अब पर्यटकों के बीच एक अवश्य जाने वाले गंतव्य के रूप में तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रहा है। इस गांव की सुंदरता देखने के लिए अब पर्यटकों की भीड़ लगने लगी है। इस गांव की खासियत जानने के बाद पूरे भारत से पर्यटक इसकी सुंदरता को देखने के लिए आ रहे हैं। कहें तो धीरे-धीरे यह जबरदस्त आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। स्थानीय लोग, जो मछुआरा समुदाय से आते हैं, अपने गांव के पर्यटन स्थल बनने की संभावना से उत्साहित हैं। ग्रामीणों का मानना है कि अगर सरकार बेहतर सुविधाएं प्रदान करती है और गांव का विकास करती है, तो अधिक पर्यटक जूरीमांज यानी बांग्लादेश गांव आएंगे।

मुंबई कोस्टल रोड का बदलेगा नाम

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि अब महाराष्ट्र कोस्टल रोड का नाम बदलकर छत्रपति संभाजी महाराज के नाम पर कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि आज जहां संभाजी महाराज की 366वीं जयंती मनाई जा रही है, वहीं इस स्थान पर अविस्मरणीय समारोह हो रहा है। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने यह भी घोषणा की कि मुंबई कोस्टल सड़क का नाम छत्रपति संभाजी महाराज तटीय मार्ग होगा। उनके घोषणा करने के बाद, उपस्थित लोगों ने छत्रपति संभाजी महाराज के नाम पर नारे लगाए। एकनाथ शिंदे ने यह भी कहा कि कुछ इतिहासकारों ने उनकी बहादुरी के बारे में कुछ अलग लिखा होगा लेकिन ऐसा नहीं है। शिवाजी महाराज ने स्वराज्य की नींव रखी और संभाजी महाराज ने इसे चरमोत्कर्ष दिया।

निकाय चुनाव के नतीजे के बाद अखिलेश मैनपुरी में

मैनपुरी, (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के निकाय चुनाव की मतगणना के दूसरे दिन यानी रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव मैनपुरी पहुंचे। यहां सबसे पहले सपा प्रमुख पूर्व पैकफेड चेयरमैन तोताराम यादव के आवास पहुंचे। उनकी अनुज वधू के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाया और हर कदम पर साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया। इसके बाद बाद उन्होंने सपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। मतगणना के दौरान घटी घटनाओं के बारे में जानकारी ली।मैंनपुरी नगर पालिका और बेबर नगर पंचायत के चुनाव परिणाम पर उन्होंने विस्तृत जानकारी ली। इस मौके पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को कई संदेश दिए।

जौनपुर में विजय जुलूस निकालने पर सपा प्रत्याशी के पति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

जौनपुर, (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के शाहगंज कोतवाली थानाक्षेत्र में विजय जुलूस निकालने पर विजयी समाजवादी पार्टी (सपा) प्रत्याशी रचना सिंह के पति बंटी सिंह समेत 20 नामजद व 4-5 अज्ञात के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार जौनपुर जिले में नगर पालिका परिषद शाहगंज में कल देर रात संपन्न हुई मतगणना के दौरान वहां पर समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी रचना सिंह अध्यक्ष पद पर चुनाव जीत गई परिणाम घोषित होने के पश्चात उनके पति बंटी सिंह व उनके समर्थकों ने प्रतिबंध होने के बावजूद विजय जुलूस निकाला। विजय जुलूस निकालने के आरोप में पुलिस ने शनिवार की देर रात नवनिर्वाचित अध्यक्ष रचना सिंह के पति बंटी सिंह समेत 20 नामजद व 4-5 अज्ञात पर केस दर्ज किया है।

मदर्स डे पर बेटियों को दिखाई द केरला स्टोरी

भाजपा नेता डॉ. कीर्तिका अग्रवाल की ओर से की गई पहल

प्रयागराज, (ब्यूरो)। मदर्स डे के मौके पर रविवार को बेटियों को सिनेमाघर में द केरला स्टोरी फिल्म दिखाई गई। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री व वात्सल्य हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉ. कीर्तिका अग्रवाल की ओर से यह पहल की गई। उन्होंने एक साथ 150 बेटियों के लिए सिनेमा हॉल बुक करा दिया और उनके साथ बैठकर पूरी फिल्म देखी।

उन्होंने कहा कि इन बेटियों को यह मूवी दिखाने का उद्देश्य यही रहा कि हमारी बेटियों को कोई बहला फुसलाकर उन्हें ब्लैकमेल न कर सके और हमारी बेटियां अपने परिवार और राष्ट्र के लिए जिम्मेदार बनें। उन्होंने कहा कि यूपी में सरकार ने इसे टैक्स फ्री कर दिया है ताकि ज्यादा से ज्यादा मां-बाप इसे देखें और अपनी बेटियों को बचपन से ही सही संस्कार दें। सरकार भी बेटियों को आगे बढ़ाने के तमाम कल्याणकारी योजनाएं भी चला रही हैं।

फिल्म देखने के बाद डॉ. कीर्तिका अग्रवाल ने सभी बेटियों को प्रेरित किया। उन्होंने बेटियों को संकल्प दिलाया कि वह किसी के बहकावे में नहीं आएंगी, कोई कितना भी लालच दे, धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाए, रुपए पैसे देने की बात कहे उससे डरेंगे नहीं और उससे दूर रहेंगी। साथ ही बेटियों ने संकल्प लिया कि यदि उसे कोई जबरन दबाव बनाता है तो वह डरने के बजाय अपने मां-बाप से बताएंगी। सभी ने डॉ. अग्रवाल को धन्यवाद दिया। फिल्म देखकर निकली बेटियों ने जय श्री राम और भारत माता की जय के नारे लगाए भी लगाए।

सपा विधायक जै किशन साहू ने किया समाजसेवी शम्मी पर पलटवार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। रविवार की शाम को समाजवादी पार्टी की एक प्रेसवार्ता रेलवे स्टेशन के समीप रंगटाप होटल में आयोजित हुई। इस पत्रकार वार्ता में पत्रकार बन्धुओं से रूबरू होते हुए विधायक जै किशन साहू ने नगरपालिका परिषद गाजीपुर के चुनाव में अपार जनसमर्थन के लिए जनता के प्रति और समर्पण भाव से कड़ी मेहनत करने वाले नेताओं और कार्यकताओं के प्रति आभार जताते हुए कहा कि इस चुनाव में पिछले चुनाव की अपेक्षा इस चुनाव में जनता का अथाह प्यार मिला है । हमने लगभग चार हजार अधिक मत इस चुनाव में पिछले चुनाव की अपेक्षा हासिल किया है। उन्होंने कहा हम चुनाव जरूर हारे हैं लेकिन हौंसला नहीं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी किसी भी हार से हतोत्साहित नहीं होती बल्कि उन हार के कारणों और कमी को दूर कर समाजवादी पार्टी उससे आगे बढ़ने की प्रेरणा लेती है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा संघर्ष में विश्वास रखती है। समाजवादी पार्टी का इतिहास गद्दारी का नहीं रहा है उसने हमेशा इस देश, समाज के लिए त्याग और बलिदान करने का काम किया है। उन्होंने पत्रकारों के द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि गद्दारी मेरे खुन में नहीं है। उन्होंने कहा कि जो लोग हम पर भाजपा से मिलने का आरोप लगा रहे हैं और अपने को सच्चा समाजवादी पार्टी का कार्यकर्ता बता रहे हैं वह बतावें कि मेरे चुनाव और बीते नगर पालिका के चुनाव में कहां थे। वह और उनके लोग किसके साथ खड़े थे। यदि वह सच्चे समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता थे तो उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश जी के फैसले का सम्मान करते हुए पार्टी के प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि टिकट के दौर में पार्टी के तमाम कार्यकर्त्ता टिकट मांग रहे थे लेकिन जब उन्हें टिकट नहीं मिला तो सारे लोग समर्पण भाव से पार्टी के प्रत्याशी दिनेश कुमार यादव के साथ चुनाव प्रचार किया। लेकिन सवाल उठता है कि आरोप लगाने वाले लोग कहां थे? क्या टिकट मिलने पर ही लोग पार्टी में रहेंगे ? उन्होंने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि जो लोग यह कह रहे हैं कि चयन समिति के द्वारा केवल उन्हीं का नाम टिकट के लिए प्रस्तावित किया गया था वह पूरी तरह से झूठा है। बल्कि सच्चाई यह है कि समिति में उनके नाम पर कोई चर्चा नहीं हुई थी। उन्होंने कहा कि यदि उनके पास इस बात का कोई सबूत है कि चयन समिति द्वारा केवल उनका नाम प्रस्तावित था तो वह जनता के सामने इस बात का सबूत प्रस्तुत करें। कृपया वह पार्टी और पार्टी के नेताओं को बदनाम करने का प्रयास न करें।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने जब नगर की जनता का रूझान समाजवादी पार्टी के पक्ष में देखा तो भाजपा के तमाम नेताओं जो इस शहर के नहीं थे अनधिकृत रूप से बूथ कैप्चरिंग किया और पुलिस प्रशासन ने भी पार्टी के कार्यकताओं का उत्पीड़न किया और बूथ पर काम कर रहे कार्यकताओं को डिस्टर्ब करने का काम किया। भाजपा नेताओं और कार्यकताओं द्वारा चुनाव आचार संहिता का घोर उल्लंघन किया गया शिकायत के बावजूद जिला और पुलिस प्रशासन मौन बना रहा । भाजपा और जिला पुलिस प्रशासन के गठजोड़ के चलते हम यह चुनाव हारे है। इस पत्रकार वार्ता में उनके साथ जिला मीडिया प्रभारी अरुण कुमार श्रीवास्तव, नगरपालिका परिषद गाजीपुर के पार्टी उम्मीदवार दिनेश कुमार यादव, विधानसभा अध्यक्ष तहसीन अहमद,अशोक कुमार अग्रहरि,अतीक अहमद राईनी, डॉ समीर सिंह, मदन सिंह यादव,फिरोज जमाल,आरिफ खां,अभिनव सिंह,शेर अली राईनी, अनिल प्रधान,मोहन रावत,मोहम्मद इलियास आदि उपस्थित रहे।

नामांकन के नाम पर शिक्षकों का शोषण बर्दाश्त नहीं

प्रखर वाराणसी। सीडीओ द्वारा लगातार बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों के साथ किया जा रहा उत्पीड़न शिक्षक कत्तई बर्दाश्त नही करेंगे। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला इकाई की सोमवार को कचहरी स्थित जिला उद्यान में हुई बैठक में शिक्षकों ने कहाकि पिछले सत्र मे तत्कालीन बीएसए द्वारा प्रदेश में नम्बर बनाने के लिए जिले के सभी गाँवो में प्रयास करके 5 प्लस के अधिकतम नामांकन हो चुके है तो इस वर्ष 6 प्लस कहाँ से मिलेंगे ? वही प्राइवेट स्कूलों के संचालक 3 साल से ऊपर होते ही बच्चों का नामांकन कर दे रहे है। जिसके कारण सरकारी स्कूलों में नामांकन बुरी तरह प्रभावित होता जा रहा है। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सकलदेव सिंह व जिला मंत्री शैलेन्द्र विक्रम सिंह ने तीब्र आक्रोश जताया और कहाकि इसे किसी भी कीमत पर ऐसे आदेश को बर्दाश्त नहीं करेंगे। ज्ञातव्य हो कि सोमवार को बीएसए ने सीडीओ के निर्देश का हवाला देते हुए सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को वाट्सएप मैसेज भेज कर कम नामांकन करने वाले स्कूलों के शिक्षकों का वेतन रोकने की कार्यवाही करने का निर्देश दिया है। बैठक के दौरान वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय गुप्ता, राकेश चंद्र पाठक, विनोद कुमार सिंह, राजीव कुमार सिंह, मनीष कुशवाहा, श्याम जी गुप्ता, संतोष सिंह , रमेश कुमार त्रिपाठी, अनुरुद्ध वर्मा, राजेश्वर सिंह, अरबिंद यादव समेत अनेक लोग रहे।

विद्यालय का ताला तोड़कर हजारों की चोरी

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के सुरही स्थित प्राथमिक विद्यालय का ताला तोड़कर चोरों ने बीती रात 40 हजार रुपये कीमत के सामान चुरा ले गए। चोर एलईडी टीवी से लेकर तौलिया और नेल कटर तक उठा ले गए। पुलिस को दिए तहरीर में ई0 प्रधानाध्यापक अनिरुद्ध यादव ने आरोप लगाया कि सोमवार को सुबह जब स्कूल पहुचा तो ऑफिस का ताला तोड़कर उसमे रखे वीआईपी कुर्सी समेत 12 कुर्सी, तौलिया, एलईडी टीवी, साउंड, ब्लू टूथ, मेज, पंखा व बच्चों के लिए रखे टीएलएम व नेलकटर तक उठा ले गए। चोरों ने ऑफिस में रखे चाभी से पूरे 6 कमरे को भी खंगाला। सूचना पर पहुची पुलिस ने जांच पड़ताल कर लौट गई। प्रधानाध्यापक देर शाम तक थाने से लेकर पुलिस चौकी तक दौड़ लगाते रहे लेकिन प्राथमिकी दर्ज नही की।

पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ की समीक्षा बैठक संपन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ जनपद की समीक्षा बैठक जिलाध्यक्ष रोशन लाल की अध्यक्षता में आईटीआई परिसर में की गई । समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से प्रांतीय नेतृत्व के निर्देश पर जनपद आजमगढ़ से चल कर आए हुए प्रदेश पदाधिकारी जिलाजीत राय मौजुद रहे । इस दौरान जिलाजीत राय ने जनपद गाजीपुर में सफाई कर्मचारी संघ की सदस्यता और संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा किया साथ ही संगठन को मजबूत करने हेतु समस्त सफाई कर्मचारी से अपील किया। जिलाजीत राय द्वारा जनपद इकाई एवं ब्लॉक इकाई के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि अतिशीघ्र वर्ष 2023 की वार्षिक सदस्यता करा लिया जाए एवं सदस्यों की सूची प्रदेश संगठन को उपलब्ध कराया जाए। इस दौरान जिलाध्यक्ष रोशन लाल ने भी बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम सभी को अपने हक अधिकार के लिए

संगठन का तन मन और धन से सहयोग करना चाहिए। आगे जिलाध्यक्ष रोशन लाल ने 18 मई 2023 को पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा द्वारा अयोजित पदयात्रा जो बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर पार्क लंका से कचहरी तक किया जाना है को ऐतिहासिक पदयात्रा बनाने के लिए जनपद के समस्त पदाधिकारियों एवं सफाई कर्मचारियों से अपील किया। इस दौरान जिला अध्यक्ष रोशनलाल, जिला मंत्री ईश्वर यादव, जिला कोषाध्यक्ष विनोद चौधरी, प्रांतीय उपाध्यक्ष जयप्रकाश बिंद गुड्डू, जिला संयुक्त मंत्री कामेश्वर रावत, ब्लॉक अध्यक्ष रामनगीना सिंह यादव, हंसराज कुशवाहा, शंकर वर्मा, रामप्यारे चौरसिया, अश्वनी राय, गजेंद्र राम बिंद, जयप्रकाश यादव, सुरेश यादव, राजन यादव, राम प्रवेश शर्मा, महेश भारती, अनिल कुमार यादव, विशाल कुमार, विनोद कुमार, राकेश मोहन, राजेश यादव, जिला संयोजक अजय कुशवाहा राजेश कुशवाहा, सूरज, कृष्णानंद राय आदि पदाधिकारी मौजूद रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रोशन लाल ने किया।

भाकपा माले ने किया सेवराई तहसील पर धरना-प्रदर्शन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सेवराईं तहसील मुख्यालय पर भाकपा माले के कार्यकताओं ने क्षेत्र के जनता की ज्वलंत सवालों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। धरना सभा को सम्बोधित करते हुए भाकपा माले केन्द्रीय कमेटी सदस्य कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि देश के लिए यह बेहद शर्मनाक है कि देश का नाम रोशन करने वाले अंतर्राष्ट्रीय पहलवान न्याय के लिए पिछले 22 दिन से जंतर-मंतर पर धरना पर बैठी हैं। यह पिछले चार महीनों में दूसरी बार हुआ है, जब वे न्याय के लिए जंतर-मंतर पर बैठने को मजबूर हुए हैं। जनवरी में इन खिलाडियों ने भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष एवं भाजपा सांसद बृजभूषण शरण पर यौन उत्पीडन एवं भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए थे।

केंद्र सरकार ने जांच के लिए कमेटी गठित करके पूरे मामले को दबाने की कोशिश की, यहां तक कि जांच कमेटी द्वारा सरकार को रिपोर्ट सौंपे जाने के बावजूद, इसे अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया। उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद ही सात महिला खिलाड़ियों द्वारा दी गई यौन उत्पीडन की शिकायत पर पास्को समेत विभिन्न धाराओं में दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं, लेकिन पुलिस आरोपी सांसद पर गैर जमानती धाराओं में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद उसे गिरफ्तार नहीं कर रही है तथा पूरे मामले पर लीपापोती करना चाहती है। खिलाड़ियों के धरने को उठवाने के लिए विभिन्न तरह के ओछे हथकंडे अपनाए जा रहे हैं, यहां तक कि जंतर-मंतर पर पुलिस द्वारा खिलाड़ियों के साथ मारपीट तक भी की गई। भाकपा माले जिला सचिव कामरेड शशीकांत कुशवाहा ने कहा कि क्षेत्र की जनता अपना विधायक सांसद चुने है, लोग मंत्री भी बने हैं लेकिन माननीय सुप्रीम कोर्ट के रोक के बावजूद भी आज भी ग्राम पंचायत सेवराईं के क्रवनिया डेरा में बिंद बस्ती के लोग खुले कुआं की कचड़ा जैसा गन्दा पानी पी रहे है । वहा संपूर्ण विकास की बात तो दुर आज भी गलियां नाबदान बनी हुई है। ग्राम सरैला में ग्राम समाज की भूमि को दबंगों से खाली कराने के लिए गांव के गरीब भूमिहीन धरना प्रदर्शन के माध्यम से मांग कर रहे है जिस पर तहसील प्रशासन मौन है। गरीबों के बीच में काम का संकट है। मनरेगा मजदूर तबाही के दौर से गुजर रहे है। भाजपा सरकार ने मनरेगा को ठण्ढे़ बस्ता में

डाल दिया दिया है। किसानों की खेती लगातार घाटे की सौदा बनती जा रहा है। केन्द्र की भाजपा सरकार ने ऐतिहासिक किसान आंदोलन से समझौता किया कि एम0एस0पी0 पर कानून बनाएंगे जिस पर वादाखिलाफी कर रही है। गांव के गांव किसान पेंशन को काटा जा रहा है। किसान अपनी पेंशन के लिए दर दर भटक रहे है। धरना के माध्यम से महिला पहलवानों के समर्थन में महामहिम राष्ट्रपति महोदय को और क्षेत्रीय सवालों पर उपजिलाधिकारी को मांग पत्र दिया गया। सरकार बदलाव नहीं लाती है तों 08 जून को दिलदारनगर में विशाल किसान मजदूर पंचायत किया जाएगा।

संविधान का शपथ लेने वाली सरकार उल्लंघन कर रही : अमेरिका सिंह यादव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय जन अभियान के तहत भाजपा हटाओ, देश, संविधान, जनता बचाओ को लेकर 14 अप्रैल से 14 मई तक पदयात्रा, जन संपर्क अभियान चलाने के उपरांत आज सरजू पाण्डेय पार्क में धरना प्रदर्शन किया गया। इसे सम्बोधित करते हुए पार्टी राज्य कार्यकारिणी सदस्य अमेरिका सिंह यादव ने कहा कि संविधान की शपथ लेने वाली सरकार इसका खुल्लम खुल्ला उलंघन कर रही है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, स्वास्थ्य, शिक्षा, देश का समग्र विकास के लिए सरकार को काम करना चाहिए। परन्तु यह काम करने में सरकार एकदम विफल है। यह सत्ता में बने रहने के लिए संविधान को तिलांजलि दे रही है। लोकतंत्र, भाई चारा, आपसी सौहार्द को चौपट कर रही है। इतना ही नहीं सीबीआई, ईडी, निर्वाचन आयोग, न्याय प्रणाली पर अंकुश लगा रही है। इसलिए इस सरकार को सत्ता से

उखाड़ फेंकना समय कि मांग है। अपने सम्बोधन में किसान सभा के प्रांतीय महामंत्री पूर्व विधायक राजेंद्र यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार का मुखिया सरकारी मशीनरी का दुरपयोग कर रहा है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। सरकारे विपक्षी नेताओं के खिलाफ राजनैतिक विद्वेष के तहत कार्यवाही कर रही है।जिला सचिव जनार्दन राम ने जनविरोधी नीतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिला प्रशासन आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। जनता त्राहि त्राहि कर रही है। हर कीमत पर2024 में सत्ता दल को हराना होगा। धरना सभा को राम अवध राम, ईश्वरलाल गुप्ता, रामलाल, रामशुक्ला, रामजी गुप्ता, गुर्जन प्रेमी, राजकुमार कुशवाहा, दिनेश प्रजापति,चतुरी राम, अंगद यादव आदि ने सम्बोधित किया। अंत में राष्ट्रपति को सम्बोधित 22 सूत्रीय मांग पत्र जिलाधिकारी के माध्यम से प्रेषित किया गया। अध्यक्षता श्यामा प्रसाद एवं संचालन फूल मैन ने किया।

समाज को बदलने में अहम भूमिका निभाएगा काशी विद्यापीठ में आयोजित होने वाला जॉब फेस्ट : प्रो. त्यागी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। काशी विद्यापीठ में 20 तथा 21 मई को लगने वाला जॉब मेला केवल पूर्वांचल ही नहीं अपितु पूरे देश से आने वाले प्रतिभागियों की जॉब सिलेक्शन के बाद निश्चित रूप से एक बदलाव अवश्य ही लाएगा यह बात काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रोफेसर आनंद कुमार त्यागी ने मीडिया से प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए कही उन्होंने कहा कि हम इस तरह की इवेंट को एक परंपरा बनाना चाहते हैं हमारा प्रयास होगा कि यह इवेंट हर वर्ष काशी विद्यापीठ में आयोजित हों`पूर्वाचल के युवाओं की रोजगार की समस्या को देखते हुए सन 2017 से माध्यम स्टाफिंग सलूशन निशुल्क युवाओं को भिन्न भिन्न सेक्टरों में रोजगार उपलब्ध करा रहा है पूर्वाचल के युवाओं को रोजगार देने हेतु एक बड़े सच की आवश्यकता समझते हुए पिछले वर्ष 2022 में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के साथ मिलकर माध्यम मेगा जॉब फैस्ट का आयोजन किया जिसमे 1134 युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ।

पूर्व की भांति इस वर्ष भी मेगा जॉब फेस्ट का आयोजन महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी में 20 और 21 मई को स्टडी एट होम लर्निंग एप के सौजन्य से होना सुनिश्चित हुआ है दो दिवसीय इस मेगा जॉब फेस्ट में बहुत सी राष्ट्रीय बहुराष्ट्रीय एवं स्थानीय कंपनिया प्रतिभाग कर रही है अब तक 55 से अधिक कंपनियों ने अपना आना सुनिश्चित कर दिया है जिसमें विशेष रूप से एयर इंडिया, बाजू, योकोहामा टायर, एलएनटी कंस्ट्रक्शन, बजाज मोटर, एचडीबी फाइनेस, उत्कर्ष बैंक, कॉन्सन्ट्रिक, औकाया पावर, हिताची, हाइक ईटीयू, बुलवेडिंग, इत्यादि 4500 से अधिक पदों पर युवाओं को रोजगार प्रदान करेंगे` इसमें विशिष्ट रूप से आईटीआई डिप्लोमा, ग्रेजुएट ट्रेनी इंजीनियर डिप्लोमा ट्रेनी इंजीनियर के लिए 1800 पद होंगे वही बैंकिंग सेक्टर, इंश्योरेंस सेक्टर, हॉस्पिटैलिटी, इंटरनेशनल बीपीओ, सेल्स एंड मार्केटिंग, असिस्टेंट प्रोफेसर एवं रिटेल सेक्टर के लिए लगभग 2500 पद उपलब्ध होगी इस जॉब फेस्ट में हिस्सा लेने के लिए सभी अभ्यार्थियों को अनलाइन रजिस्ट्रेशन माध्यम स्टाफिंग सलूशन या महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की वेबसाइट की माध्यम से करना होगा। मैनुअल रजिस्ट्रेशन के लिए 16 हेल्पलाइन काउंटर 20 और 21 मई को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में लगाए जाएंगे जहां जाकर भी अभ्यार्थी अपना रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित कर सकते हैं इस जॉब फैस्ट के ऑफिशियल स्पॉन्सर स्टडी एट होम, इंपैक्ट इंस्टीट्यूट, सवर्षिनी साड़ी, दिल्ली इस्टीट्यूट ऑफ डिजिटल मार्केटिंग, चेतमणि ज्वेलर्स दुगाकुंड, सौंदर्य ब्यूटी, हॉस्पिटैलिटी पार्टनर मिलन कैटरर्स, होटल रियो बनारस एवं होटल मीडोज, फूड पार्टनर- 4 कोर्स सिगरा, इवेंट पार्टनर ड्रीम डेट पीजी इवेंट्स एक कपूर बिल्डर्स, आउटडोर प्रमोशन पार्टनर एलोरा, रेडियो पार्टनर रेडियो सिटी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रोफेसर बंशीधर पांडे, प्रोफेसर के के सिंह, प्रोफेसर अमिता सिंह, माध्यम स्टाफिंग सॉल्यूशन से ज्योति यादव, स्टडी एट होम के निदेशक सी.ए. राज के अग्रवाल, स्टडी एट होम की को-फाउंडर तृप्ति वर्मा तथा प्रोफेसर रमन पंत ने भी इस जॉब फेस्ट की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के पी.आर.ओ. डॉ नवरत्न सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में आए सभी मीडिया कर्मियों का स्वागत तथा धन्यवाद किया।

शाह फैज पब्लिक स्कूल में हुआ प्रौद्योगिकी दिवस पर प्रतियोगिता का आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सोमवार को जिले का उत्कृष्ट विद्यालय शाह फैज पब्लिक स्कूल, सुभाष नगर, गाजीपुर में स्कूल के प्राथमिक कक्षा के बच्चों द्वारा राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी दिवस के अवसर पर ' करो और सीखो' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता मे बच्चों ने एक से एक बढ़ चढ़ कर पर्यावरण, विज्ञान और गणित विषय से सम्बधित मॉडल और चार्ट बना कर उसे बहुत ही सुन्दर ढंग से प्रदर्शित करते हुए वर्णित किया । बच्चों द्वारा बनाए गए मॉडलों में रेन वाटर 'हार्वेस्टिंग ' वाल्कनो ' सेंस ऑर्गन'' पाचन तंत्र व सौर मंडल से संबंधित मॉडल उत्कृष्ट रहे। इस अवसर पर हमारे विद्यालय की प्रधानाचार्य तसनीम कौसर व उप प्रधानाचार्य डॉ प्रीति उपाध्याय नें बच्चों द्वारा बनाए गये मॉडलों को देखा और उनकी सराहना की। कार्यक्रम के अंत में कक्षा द्वितीय के छात्रों ने सुन्दर गरबा नृत्य प्रस्तुत किया । कार्यक्रम को सुनियोजित ढंग से प्रस्तुत करने में प्राथमिक विद्यालय की इंचार्ज चंदना श्रीवास्तव और गणित व विज्ञान विषय के शिक्षको नें सराहनीय योगदान दिया।

संक्षिप्त खबरें

सेंट जोसेफ स्कूल का शत-प्रतिशत रहा रिजल्ट, सम्मानित किए गए छात्र छात्राएं

प्रखर गंभीरपुर आजमगढ़। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली द्वारा घोषित किए गए दसवीं के परीक्षा परिणाम में शिक्षा क्षेत्र मुहम्मदपुर के ग्रामसभा बसीरहा मे स्थिति क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान सेंट जोसेफ स्कूल की छात्रा साक्षी सिंह ने 87.2%पाकर प्रथम स्थान पर ,मनु राय ने 80% पाकर द्वितीय स्थान एवं दुर्गेश मिश्रा 78.2% तृतीय स्थान प्राप्त किया।सभी छात्र छात्राओं को विकास ग्रुप ऑफ कॉलेज की तरफ से ढेर सारी शुभकामनाएं एवं हार्दिक बधाई। वहीं विद्यालय प्रांगण में विकास ग्रुप आफ कॉलेज के प्रबंधक मनीष राय द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को मेडल देकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के उपरांत विद्यालय के प्रबंधक मनीष राय ने छात्र छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की।

मुंडेश्वरी महोत्सव का हुआ समापन

प्रखर दानगंज वाराणसी। भभुआ जिले के भगवानपुर प्रखंड में स्थित मां मुंडेश्वरी धाम परिसर में आयोजित मुंडेश्वरी महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को कलाकारों ने समां बांध दिया। दूसरे दिन सबसे पहले कस्तूरबा विद्यालय की छात्राओं ने कार्यक्रम की जिसमें गणेश वंदना तथा देशभक्ति गीत पर नृत्य कर छात्राओं ने उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया। इसके बाद कैमूर जिले के भगवानपुर प्रखंड के टेकरा गांव की रहने वाली अंजली तिवारी ने कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। चलअ चली जा माई के दुअरिया चुनरिया ओढ़ के गीत से उन्होंने खूब तालियां बटोरी। बता दें कि अंजली तिवारी पांच साल से गा रहीं हैं। फिलहाल बीएचयू में प्रशिक्षण भी ले रही हैं। इसके बाद नाटक का मंचन किया गया। दूसरे दिन मधुरिमा बसु, सौरभ सिंह व भोजपुरी गायिका अनुपमा यादव ने कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। बता दें कि मुंडेश्वरी महोत्सव का शुभारंभ बीते शुक्रवार की शाम में हुआ था। जिसका उद्घाटन जिले के प्रभारी मंत्री सुरेंद्र राम, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो. जमां खां आदि ने किया था। दूसरे दिन शनिवार को महोत्सव का समापन हुआ।

शो-पीस बनी बाजार के चौराहों की हाई मास्क लाईट

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। जिला पंचायत जौनपुर द्वारा क्षेत्र के विकास के नाम पर राशि तो खर्च की जा रही है लेकिन गुणवत्ता विहीन कार्य के कारण विकास के नाम पर खर्च की जाने वाली राशि का कोई औचित्य नहीं निकल रहा है। क्षेत्र में विकास के नाम पर बाजार के विभिन्न चौराहों को रोशन करने के लिए लाखों रूपए की लागत से हाईमास्क लगवाई गई थी, लेकिन यह लाईट अब मात्र शो-पीस बनकर रह गई है। क्षेत्र के विभिन्न बाजार के चौराहो पर लगी आधा दर्जन हाईमास्क लाइट महीनों से खराब पड़ी हैं, कुछ तो लग जाने के कई माह बाद भी आज तक नही जल पाई। थानागद्दी-बम्मवन गेट के पास लगी हाई मास्क लाइट का पैनल महीनों से जला है, रग्घुपुर सोनकर बस्ती के पास लगी लाइट एक साल से खराब है, रतनुपुर बाजार में शाहिद चौराहे पर लगी लाइट और बेहड़ा गांव में शिवालय के पास लगी हाईमास्क लाइट लगने के कई माह बीत जाने के बाद भी नहीं जल पाई। बाजारवासियों का आरोप है कि कई बार जिला पंचायत सदस्य, ठेकेदार और विभाग में शिकायत की गई पर कोई सुनवाई नहीं होती। इस मामले में जिला पंचायत अपर मुख्य अधिकारी जेपी मौर्य का कहना है कि मामले को संज्ञान में लेकर खराब लाइट को ठीक कराया जाएगा।

बच्चों ने निकाली स्वच्छ गंगा अभियान के तहत भव्य जागरूकता रैली

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत गंगा किनारे स्थित ग्राम पंचायतों में "स्वच्छ गंगा ग्राम अभियान" 1 मई 2023 से 15 मई 2023 के बीच विशेष साफ-सफाई एवं जागरूकता अभियान के अंतर्गत ओडीएफ प्लस ग्राम शेरपुर में बच्चों व ग्रामीणों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई तथा लोगों को जागरूक करने के लिए बृहद स्वच्छता रैली निकली गई। किसान पूर्व माध्यमिक विद्यालय शेरपुर एवं शेरपुर के विभिन्न प्राथमिक विद्यालय के बच्चों द्वारा आज दिनांक 15 मार्च 2030 को पूर्वाह्न 8 से पूर्व माध्यमिक विद्यालय से रैली निकालकर हनुमान मंदिर, शहीद संस्मरण इंटर कॉलेज होते हुए पूर्वी उच्च प्राथमिक स्कूल पहुंची, वहां से पुनः ग्राम में नवनिर्मित हो रहे रिंग रोड होते हुए किसान पूर्व माध्यमिक विद्यालय पर लगभग 3 किलोमीटर की यात्रा के बाद रैली का विद्यालय में समापन किया गया। इस रैली का उद्देश्य जनता को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना रहा। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जयानंद राय एवं सचिव सूर्यभान राय द्वारा सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई तथा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में मुख्य रूप से विद्यालय प्रबंधक दयाशंकर राय, समस्त शिक्षक गण एवम् शिक्षिकाए, समाजसेवी ओमप्रकाश राय मुन्ना , सत्येंद्र राय,कृष्णकांत राय छोटन, सोनू राय, यादवप्रधान बबलू राय, आलोक यादव ,समस्त सफाई कर्मचारी सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण तथा बच्चों ने उत्साह से भाग लिया।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं